इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज़ ट्रस्ट समाचार पत्रिका

यह अंक

वर्ष 13, अंक 1

जनवरी से मार्च 2006

अंतर्राष्ट्रीय नारी मुक्ति आंदोलन और भारत

अशोक कुमार पांडेय

आई.एस.एस.टी. गतिविधियाँ

जेंडर नेटवर्क : तीसरा चरण

घरेलू कामगारों की सामाजिक सुरक्षा

क्षेत्रीय कार्यालय : जानकारी और सूचना केंद्र

राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार कार्यक्रम और महिलायें

अन्य खबरें

8 मार्च महिलाओं के लिए एक विशेष दिन है। इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में याद किया जाता है। वर्ष 2006 के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का विषय रखा गया – निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी : 'चुनौतियों का मुकाबला करना एवं परिवर्तन लाना'।

18वीं सदी में योरप और संयुक्त राज अमेरिका में नारी मुक्ति आंदोलन की शुरुआत हुई थी। इन देशों में भी महिलाओं की राजनीतिक सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। उन्हें भी दोयम दर्जा ही प्राप्त था। फ्रांस और अमेरिका में महिला आज़ादी, समानता आदि को लेकर छोटी–मोटी हलचलें होने लगी थीं। सन् 1848 में ये छिटपुट घटनायें बकायदा नारी मुक्ति आंदोलन में बदल गयीं। इसी वर्ष नारी मुक्ति आंदोलन के लिए संघर्षरत महिलाओं ने न्यूयार्क में महिला सम्मेलन का आयोजन कर 'नारी स्वतंत्रता का घोषणा पत्र' जारी किया। नारी अधिकारों के लिए उठी इस आंधी का असर हमारे देश में भी 19वीं सदी के उत्तरार्ध में दिखायी देने लगा।

इस अंक में प्रस्तुत अंतर्राष्ट्रीय नारी मुक्ति आंदोलन और हमारे देश में इसकी शुरुआत के बारे में विस्तार से बता रहे हैं – श्री अशोक कुमार पांडेय।

केवल निजी वितरण के लिए

अंतर्राष्ट्रीय नारी मुक्ति आंदोलन और भारत

अशोक कुमार पांडेय

नारी मुक्ति आंदोलन का आरंभ अठारहवीं सदी में योरप और संयुक्त राज्य अमेरिका में मानवतावाद और औद्योगिक क्रांति के साथ–साथ हुआ था। सामंती समाज में योरप के देशों में भी नारी की सामाजिक राजनीतिक स्थिति चीन और भारत सहित अन्य एशियाई तथा अफ्रीकी देशों से बहुत भिन्न नहीं थी। धर्मशास्त्रों तथा कानूनों की भयानक जकड़बंदियों में कैद महिलाएँ संपत्ति तथा काम के अधिकारों से तो वंचित थीं, साथ ही परिवार में भी उनका दर्जा दोयम ही था।

नारी मुक्ति का प्राचीनतम उपलब्ध दस्तावेज मेरी बोल्सटोन क्रॉफ्ट द्वारा 1792 में प्रस्तुत 'स्त्रियों के अधिकार की बहाली' है। लगभग इसी समय इंग्लैंड में मेरी आस्टेल तथा अन्य महिलायें भी व्यवसाय तथा नौकरियों में स्त्रियों को व्यापक अवसर दिये जाने की माँग को लेकर अपनी आवाज़ उठा रही थीं। फ्रांसीसी क्रांति के दौर में महिला रिपब्लिकन क्लबों ने क्रांति के सूत्र, सिद्धांतों, आज़ादी, समानता तथा भाईचारा को स्त्रियों के संदर्भ में भी लागू किये जाने की माँग उठाई थी, परंतु नेपोलियन द्वारा राजसत्ता पर कब्जे के बाद यह आंदोलन दब गया। अमेरिका में भी ऐबिजेक डेम्स और मेरी आस्टिन बारेन ने जार्ज वाशिंगटन तथा टामस जैफरसन पर संविधान में नारी समानता से संबद्ध मसलों को शामिल किये जाने की माँग की थी। इन छिटपुट हलचलों का विधिवत नारी मुक्ति आंदोलन में संक्रमण 1848 में ही हुआ, जब एलिजाबेथ कैंडी स्टेण्टन, लुक्रेसिया काफिन मोर तथा अन्य महिला कार्यकर्ताओं ने सेनेका फाल्स, न्यूयॉर्क में एक महिला सम्मेलन का आयोजन कर 'नारी स्वतंत्रता का घोषणा–पत्र' जारी किया। इस घोषणा–पत्र में शिक्षा तथा व्यवसाय के क्षेत्र में समान अवसर, समान वेतन तथा वोट देने के अधिकार जैसे मुद्दे पहली बार प्रमुखता से उठाये गये थे। स्टेण्टन और सूसन ब्राउन वेल एन्थनी के नेतृत्त्व में चला यह आंदोलन न सिर्फ ऐतिहासिक अपितु इस रूप में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि 1920 में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में नारी मताधिकार की घोषणा के साथ इसे नारी मुक्ति आंदोलन की पहली बड़ी जीत हासिल हुई।

नारीवादी आंदोलन को एक नई दिशा देने में 1949 में प्रकाशित सिमोन द बुआ की पुस्तक 'द सेकंड सेक्स' तथा 1963 में प्रकाशित वेट्टी फ्राइडिन की 'द फेमिनिन मिस्टिक' का बड़ा योगदान है। 9 जनवरी 1908 को पेरिस के एक मध्यवर्गीय कैथेलिक परिवार में जन्मी सिमोन दर्शन शास्त्र की अध्येता तथा महान अस्तित्त्ववादी विचारक सात्र की सहयात्री थीं। 1868 में 'प्रथम कम्युनिस्ट इंटरनेशनल' की स्थापना के समय ही मार्क्स एंगेल्स ने स्त्रियों के समान अधिकारों तथा उनकी सदस्यता का प्रश्न उठाया था। मार्क्स की मृत्यु के बाद 1889 में पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मजदूर सम्मेलन में विश्व प्रसिद्ध समाजवादी नेत्री 'क्लास जेटकिन' ने पुरजोर तरीके से सभी क्षेत्रों में स्त्री–पुरुष समानता की आवाज़ उठाई। इसके बाद योरप तथा अमेरिका में अनेक आंदोलनों का आरंभ हुआ। 1907 में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी नारी सम्मेलन जर्मनी में हुआ, जिसमें क्लास जेटकिन को सचिव चुना गया।

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत में नारी अधिकारों के लिए संघर्ष का आरंभ उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में संपन्न पुनर्जागरण में हुआ। ईश्वरचंद्र विद्यासागर द्वारा स्थापित 'बेहरामजी मालाबारी संघ' ने पहली बार विधवा विवाह के लिए कानून तथा बाल विवाह पर रोक लगाने की माँग उठायी। 1866 में राजा राममोहन राय ने सती प्रथा के खिलाफ आवाज़ उठाई। उनके द्वारा स्थापित ब्रह्म समाज की नारी अधिकारों के लिए हुए संघर्षों में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। 1926 में सर्वप्रथम एक अँग्रेज़ महिला मारग्रेट ई.कज़िन्स ने एक 'अखिल भारतीय महिला सम्मेलन' की स्थापना की। उन्हीं के प्रयासों से देश भर में अनेक स्थानों पर महिला सम्मेलनों का आयोजन हुआ, जिसमें स्त्रियों की दुर्दशा तथा उसकी मुक्ति के उपायों पर सार्थक चर्चायें हुईं। ऐसे सम्मेलनों में 5 फरवरी 1926 को बड़ौदा में वहाँ की महारानी चिम्मनबाई गायकवाड़ की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। महारानी बड़ौदा ने ही पहली बार 1911 में नारी समस्याओं पर आधारित पुस्तक 'पोजीशन ऑफ वीमेन इन इंडियन लाइफ' भी लिखी थी। उनके अलावा भगिनी निवेदिता, बेगम भोपाल, सरोजनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, श्रीमती अघोर कामिनी

राय, हंसा मेहता आदि अनेक महिलाओं ने इस आंदोलन में योगदान दिया, लेकिन इस आंदोलन की सबसे बड़ी कमज़ोरी इसका संभ्रात तथा कुलीन महिलाओं तक सीमित होना था। आम महिलायें प्रायः इससे अछूती रहीं।

नईदुनिया से साभार

जेंडर नेटवर्क : तीसरा चरण

आई.एस.एस.टी.में चल रहे जेंडर नेटवर्क योजना के अंतर्गत 1 से 4 फरवरी 2006 को जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में इस विषय में रुचि रखने वाले, विषय विशेषज्ञों और अध्ययन से जुड़ी सहयोगी संस्थाओं ने हिस्सा लिया। देश–विदेश से आये शोधकर्ताओं ने इस विषय पर किये गये शोधकार्यों की प्रस्तुति की और सुझाव दिये। सम्मेलन के मुख्य वक्ता थे : इंटरनैशनल पॉवर्टी रिसर्च सेंटर, ब्राज़ील के प्रोफेसर नानक काकवानी। उन्होंने जेंडर पर किये हुए अपने आरंभिक काम घरेलू आमदनी में महिलाओं का योगदान 'प्रो पुअर एंड प्रो जेंडर ग्रोथ' की प्रस्तुति की।

इसके बाद के सत्रों में श्री–लंका, वियतनाम और भारत ने 'जेंडर और आईसीटी' पर चल रहे अध्ययनों की प्रस्तुति की। इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज़ ट्रस्ट, दिल्ली(भारत) ने केरल में चल रहे 'अक्षय प्रोजेक्ट' का जेंडर पर हुए असर का विश्लेषण किया। आई.एस.एस.टी. द्वारा किये गये इस अध्ययन में जेंडर भेदभाव उभर कर आया। आई.एस.एस.टी. द्वारा जेंडर और आई.सी.टी. पर किये गये एक अन्य अध्ययन 'किशोर और सुविधारहित वर्ग के लिए कम्प्यूटर साक्षरता' की जानकारी प्रोफेसर मालविका कपूर ने दी।

दूसरे दिन इंटरनैशनल पॉवर्टी रिसर्च सेंटर, ब्राज़ील की फेबिओ सोआरेस ने (नानक काकवानी, स्वप्ना मुखोपाध्याय और फेबिओ सोआरेस द्वारा संयुक्त रूप से लिखित) 'जेंडर बायस एंड दि मिलेनियम डेवलपमेंट गोल्स : दि रोल ऑफ ग्रोथ एंड डिस्ट्रिब्यूशन', प्रोफेसर सुरेश तेंदुलकर और प्रोफेसर स्वप्ना मुखोपाध्याय ने 'जेंडर डिस्पेरिटीज़ इन द लेबर मार्केटः एन एनालिसिस ऑफ एनएसएस डेटा', श्री–लंका से डॉक्टर डिलेनी गुनेवरडेना ने 'द जेंडर वेज गेप इन श्री–लंका', आईडीएस, ससेक्स की डॉक्टर मार्ज़िया फॉन्टाना ने 'जेंडर इन इकानॉमी वाइड मॉडल्स', बांग्लादेश एकेडमी ऑफ रूरल डेवलपमेंट की नुरुन नाहर बेगम ने 'कोपिंग विथ पॉवर्टी बाय जेंडर एंड ऐज',पाकिस्तान और बांग्लादेश के दो शोधकर्ताओं क्रमशः रेहाना सिद्दिकी और डॉक्टर सलीम रेहान द्वारा भेजे गये परचों की प्रस्तुति की गयी।

सम्मेलन के तीसरे दिन 'जेंडर इन केरल' पर एक चर्चा रखी गयी। इस चर्चा की शुरुआत की प्रोफेसर स्वप्ना मुखोपाध्याय ने। सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़, त्रिवेंद्रम के प्रोफेसर इरुदया राजन ने अपनी प्रस्तुति में सकारात्मक और नकारात्मक संकेतों को बताया। प्रोफेसर स्वप्ना मुखोपाध्याय ने 'जेंडर आइडिओलाजीस, स्टेटस ऑफ वूमेन एंड मेंटल हैल्थ इंडीकेटर्सः ए केस स्टडी ऑफ केरला' की प्रस्तुति की। इसके बाद डॉक्टर जे देविका और अवंति मुखर्जी, कोलकाता विश्वविद्यालय की डॉक्टर जयंति बासु और आई.आई.टी. मुंबई की डॉक्टर शर्मिला श्रीकुमार अपने पर्चे पढ़े।

अंतिम दिन जेंडर स्टडीज़ में एक्शन, रिसर्च, पॉलिसी पर हुई चर्चा की अध्यक्षता की आई.डी.एस.,जयपुर के श्री विजय शंकर व्यास ने। इस चर्चा में लक्ष्मी लिंगम, जे. देविका, नवशरण सिंह और नानक काकवानी के साथ ही सम्मेलन में आये अन्य प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। प्रोफेसर विजय शंकर व्यास ने बताया कि ये आंदोलन केवल विरोध और असहमति के ही नहीं हैं, उससे नये प्रश्न और सार्थक विकल्प भी सामने आना चाहिए। कुछ शोध ऐसी होंगी, जिनका लाभ आंदोलनों को मिलेगा या वे समाज के काम आयेंगी। इसीलिए अच्छे शोध की प्रासंगिकता बनी रहेगी। ज़रूरत इस बात की है कि हम आंदोलन, नीति बनाने वालों और शोध करने वालों को एक दूसरे से जोड़ें, उनके बीच संवाद चले ताकि उनकी सहमति का दायरा बढ़े। यह ज़रूरी नहीं है कि वे सब बातों में सहमत हो जायें, लेकिन इससे उन सबका मन थोड़ा–थोड़ा खुलेगा। इसमें समाज की भागीदारी भी बहुत ज़रूरी है। इससे शोध की धार पैनी होगी और फिर नीतियाँ भी बदल सकेंगी।

क्षेत्रीय कार्यालय : जानकारी और सूचना केंद्र

आई.एस.एस.टी.के क्षेत्रीय कार्यालय में चल रही गतिविधि जानकारी और सूचना केंद्र के माध्यम से 25 और 26 नवंबर को 'जेंडर और स्वास्थ्य' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला से पहले क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकर्ताओं की जेंडर विषयक समझ बढ़ाने के लिए 21 नवंबर को एक बैठक रखी गयी। इस बैठक में क्षेत्रीय कार्यालय के चार कार्यकर्ताओं और दस शिक्षक–शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया। बैठक का संचालन आई.एस.एस.टी की निदेशक रत्ना सुदर्शन सहित रीना भट्टाचार्या, ज्योत्सना सिवरमैय्या और राजिब नंदी ने किया।

प्रतिभागियों को तीन समूहों में बाँटकर जेंडर शब्द को स्पष्ट करने वाली स्त्री– पुरुष में अंतर बताने वाली बातें लिखने के लिए कहा गया। प्रतिभागियों द्वारा स्त्री–पुरुष में बताये गये इस भेद के आधार पर उन्हें 'सैक्स' और 'जेंडर' के बारे में बताया गया तथा महिलाओं और पुरुषों के इस भेदभाव के कारणों पर चर्चा की गयी। इस चर्चा में जेंडर को परिभाषित करने में समाज की बड़ी भूमिका है यह बात भी सामने आयी। इसके बाद प्रतिभागियों से जेंडर भूमिका के बारे में उनकी पसंद और ना–पसंद लिखने के लिए कहा गया।

इसके बाद प्रतिभागियों को जनसांख्यिकी, एनएसएस, एसआरएस आदि माध्यमों से प्राप्त तथ्यों के विश्लेषण की जानकारी दी। लिंग अनुपात, साक्षरता दर, काम की भागीदारी आदि की भी जानकारी दी गयी। पौष्टिक आहार से संबंधित जानकारी और महिलाओं के अस्वस्थता से जुड़े कारणों के बारे में बताया गया। इस चर्चा के अंत में प्रतिभागियों को जेंडर और लिंग में अंतर बताने वाले कुछ प्रश्न दिये गये। दस में से नौ प्रतिभागियों के जवाब सही थे। वे जेंडर और लिंग के प्राकृतिक और मानव निर्मित भेदभाव को अच्छी तरह समझ गये थे।

इसके बाद 25,26 नवंबर को घरेलू उपचार से शुरू हुई जेंडर और स्वास्थ्य कार्यशाला। इस सत्र में प्रतिभागियों को अचानक ज़रूरत पड़ने पर घरेलू स्तर पर राहत दिलाने के लिए कुछ उपचार बताये गये। इनमें जोड़ों के दर्द, गैस, दस्त आदि सामान्य बीमारियाँ शामिल थीं। प्रतिभागियों से यह भी कहा गया कि वे अपने घर में भी इस तरह की सामान्य बीमारियों के घरेलू उपचार के बारे में जानकारी इकट्ठी करें।

इसके बाद के सत्र में प्रतिभागियों को उत्तम स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक भोजन, भोजन की पौष्टिकता बनाये रखने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए आदि बातों की विस्तार से जानकारी दी गयी। नमकीन दलिया तथा अंकुरित अनाजों और गाजर मूली आदि का सलाद बनाना सिखाया।

तीसरे सत्र में अमिता जोशी ने गर्भधारण के संबंध में चर्चा की। सत्र की शुरुआत प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका से हुई। यह नाटिका गर्भवती महिला के स्वास्थ्य मुद्दों पर आधारित थी। इसमें गाँव की एक गर्भवती महिला की डॉक्टर से बातचीत बतायी गयी। इस बातचीत में इस संबंध में फैले अंधविश्वासों को भी सामने लाया गया। इस नाटिका को ही आधार बनाकर प्रसव से पहले और बाद में गर्भवती महिला के स्वास्थ्य, देखरेख आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई।

इसके बाद बुखार, नाक से रक्तस्राव, बिजली का झटका, फोड़े–फुन्सियों के लिए प्राथमिक और घरेलू उपचार के बारे में चर्चा की गयी और प्रतिनिधियों को इस संबंध में लिखित जानकारी वितरित की गयी। अंतिम सत्र में मनमोहिनी दत्ता ने योग के माध्यम से मोटापा, पीठ दर्द, सर्दी आदि से कैसे छुटकारा मिल सकता है इसकी जानकारी दी। त्वचा की सुरक्षा और देखभाल के लिए भी कुछ महत्त्वपूर्ण बातें बतायीं।

दूसरे दिन ज्योत्सना सिवरमैय्या ने गर्भधारण और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में चर्चा की। प्रतिनिधियों को चार समूहों में बाँटकर किशोरावस्था से वयस्कता तक होने वाले शारीरिक, मानसिक, और सामाजिक परिवर्तनों के बारे में लिखने के लिए कहा गया। इसके बाद चित्रों के माध्यम से महिलाओं की प्रजनन तंत्र प्रणाली समझायी गयी और गर्भधारण, लिंग परीक्षण और शिशु जन्म से जुड़े मिथकों के बारे में चर्चा की गयी।

अगले सत्र में ज्योत्सना और राजिब नंदी ने एचआईवी/एड्स और अन्य यौनजनित रोगों के बारे में जानकारी दी। एचआईवी/एड्स की सामान्य चर्चा से बातचीत शुरू हुई। प्रतिनिधियों ने एचआईवी/एड्स की जानकारी के बारे में बताया, लेकिन इस संक्रमण के तरीकों को बताने में वे संकोच कर रहे थे। समन्वयकों ने एचआईवी/एड्स संक्रमण के कारणों की जानकारी दी।

घरेलू कामगारों की सामाजिक सुरक्षा

होम नेट एशिया की सब रीजनल बैठक का आयोजन 25– 26 अक्टूबर को बैंकाक के एशिया होटल में किया गया। इस बैठक में थाईलैंड, फिलीपींस, इंडोनेशिया, लाओस और होम नेट साउथ एशिया के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिन की इस बैठक में घरेलू कामगारों की सामाजिक सुरक्षा पर किये गये अध्ययन की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया और उन पर चर्चा हुई।

थाईलैंड के सीनेटर मैगसेसे पुरस्कार से पुरस्कृत डॉक्टर जॉन उँगफाकार्न मुख्य वक्ता थे। उन्होंने अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा की ज़रूरत पर प्रकाश डाला। थाईलैंड के संदर्भ में उन्होंने कहा कि थाईलैंड में अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य योजना पहले से ही मौजूद है। इसीलिए सामाजिक सुरक्षा को इस योजना से अलग रखना चाहिए।

दक्षिण पूर्व एशिया के शोध समन्वयक ने फिलीपींस और थाईलैंड दोनों देशों के तुलनात्मक अध्ययन की प्रस्तुति की। होम नेट साउथ एशिया ने अध्ययन की प्रगति और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। लाओस और इंडोनेशिया के प्रतिनिधियों ने अपने देश में घरेलू कामगारों की स्थिति पर चर्चा की।

बैठक के दूसरे दिन सभी देशों ने भावी योजना का एक मसौदा तैयार किया और इस पर चर्चा की।

इसके बाद 22 से 24 फरवरी 2006 को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनैशनल सभागार में घरेलू कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर चल रहे अध्ययन की अंतिम गोष्ठी हुई। इस गोष्ठी में इस अध्ययन से जुड़े दक्षिण एशिया क्षेत्र के सभी प्रतिनिधियों; बांग्लादेश, भारत, नेपाल, पाकिस्तान और श्री–लंका के श्रम मंत्रालय, बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों, होमनेट दक्षिण पूर्व एशिया के शोध समन्वयक तथा श्रम से जुड़े मुद्दों में रुचि रखने वाले अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

इस गोष्ठी में दक्षिण एशिया की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत महिला कामगारों की ताजी स्थिति और उनके लिए सामाजिक सुरक्षा नीति पर चर्चा हुई। साथ ही होमनेट साउथ एशिया और उसके सहयोगियों के बीच घरेलू कामगारों की स्थिति में सुधार लाने के लिए भावी योजना पर भी चर्चा की हुई। 'यूनिफेम' और 'सेवा' की पहल से महिला घरेलू कामगारों के लिए एक नेटवर्क संगठन की तरह 'होमनेट' की शुरुआत की गयी। अतः इस सम्मेलन ने होमनेट साउथ एशिया के सदस्यों और सरकारी अधिकारी, निर्यातकों, बीमा कंपनियों और नीति निर्धारकों को बातचीत करने का एक अच्छा मंच प्रदान किया।

ज्योत्सना सिवरमैय्या

राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी कार्यक्रम और महिलायें

केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में शुरू किये गये नये कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम में महिलाओं की भागीदारी और इस योजना से वे कितनी लाभान्वित होती हैं इस उद्देश्य की व्यवहारिकता को समझने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज़ ट्रस्ट ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के सहयोग से एक अध्ययन की शुरुआत की है।

इस कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी को समझने के लिए अध्ययन में निम्नलिखित बातों को शामिल किया गया है :

इस कार्यक्रम में पुरुषों के समान ही महिलाओं की भागीदारी, मजदूरी तथा कार्यक्रम की जागरूकता के बारे में भी स्त्री–पुरुष समानता को समझना।

काम की जगह पर बच्चों की देखभाल, पानी, टॉयलेट की सुविधा और उपयुक्त समय, जिससे इस कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सकती है आदि का इस योजना में कितना ध्यान रखा गया है इस बात को समझने का प्रयास।

योग्तानुसार काम, योग्यता को और मजबूत करना या बढ़ाना या नई योग्यता विकसित करने जैसी बातों को किस हद तक पालन किया जा रहा है,इसे समझना । इस कार्यक्रम के योग्य प्रबंधन के लिए इस तरह की प्रक्रिया हो, जो इसकी असफलता की संभावना को दूर कर सके इस बात को समझने का भी प्रयास किया जायेगा।

काम का तरीका

इन उद्देश्यों को पाने के लिए इस अध्ययन के लिए देश के चार हिस्सों को चुना गया, ताकि भिन्न सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक परिवेश में इस कार्यक्रम से महिलाओं की जीविका पर पड़ने वाले असर की बारीकियों को समझा जा सके। ये चार राज्य हैं : मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और उड़ीसा। इस विषय में उपलब्ध सामग्री और चुने हुए गाँवों में समूह चर्चा तथा लोगों से बातचीत करके यह जानकारी जुटायी जायेगी।

इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में उठने वाले मुद्दों को समझने के लिए राज्य स्तरीय सरकारी अधिकारी, स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों और महिला समूहों के प्रतिनिधियों से बातचीत भी अध्ययन का एक हिस्सा है।

जेंडर पॉलिसी फोरम

इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज़ ट्रस्ट और इंडिया हैबिटेट सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जेंडर पॉलिसी फोरम श्रंखला की छटवीं चर्चा 23 जनवरी 2006 को आयोजित की गयी। चर्चा का विषय था : 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम और महिलायें'। इस चर्चा के प्रमुख वक्ता थे नेशनल कमीशन ऑन एन्टरप्राइसेस इन दि अनऑर्गनाइज़ सेक्टर के सदस्य डॉक्टर के. पी. कनन और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की प्रोफेसर आशा कपूर मेहता। डॉक्टर कनन ने अपनी प्रस्तुति में राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि गरीबी उन्मूलन में यह कानून किस तरह सफल हो सकता है।

प्रोफेसर आशा कपूर मेहता की प्रस्तुति 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' में जेंडर आधारित दृष्टिकोण पर केंद्रित थी। इसके साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र रोज़गार गारंटी योजना के अपने अनुभवों की भी जानकारी दी। 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' के बारे में उनका कहना था कि यह योजना महिलाओं की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर तो नहीं बनायी गयी है, लेकिन इस योजना के अंतर्गत काम पाकर ज्यादा से ज्यादा महिलायें लाभार्थी हो सकती हैं। निर्धारित निम्नतम मजदूरी से कम मजदूरी मिलने के कारण इस योजना में पुरुष काम करना पसंद नहीं करेंगे अतः ज्यादा से ज्यादा महिलायें लाभ पा सकती हैं। उन्होंने इस बात की आशंका व्यक्त की कि हालांकि 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' में महिलाओं के लिए तीस प्रतिशत आरक्षण है, लेकिन इससे अधिक महिलायें लाभान्वित हो सकती हैं।

तात्कालिक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के साथ सम्मेलन

बैंगलोर में अंतर्राष्ट्रीय छात्राओं की बहुत बड़ी संख्या है। इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज़ ट्रस्ट ने विभिन्न देशों से आयीं इन छात्राओं के बीच गोष्ठियों की श्रंखला की शुरुआत की है। तात्कालिक मुद्दों पर रखी जाने वाली ये गोष्ठियाँ, ऐसे देशों खासकर, जिन विकासशील देशों से ये छात्रायें आयीं हैं महत्त्वपूर्ण होंगी। साथ ही विभिन्न देशों से आयीं इन छात्राओं को अपने विचारों, योग्यता को व्यक्त करने का अवसर मिलेगा और बैंगलोर के इस विशाल समुदाय में सकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करने का मौका मिलेगा। हमें लगता है कि इस तरह के संवाद से मिलती–जुलती समस्याओं के लिए हरेक देश में जो

आपसी मतभेद हैं वे दूर होंगे तथा आपसी समझ और एकता बढ़ेगी।

18 मार्च 2006 को इस तरह का पहला सम्मेलन हुआ। सम्मेलन का विषय था 'मेरे देश में महिलाओं की स्थिति' । बेहरीन, श्री–लंका, बांग्लादेश, ईरान, यूगांडा, अफगानिस्तान, किर्जिस्तान, बेल्जियम, उजबेकिस्तान और नेपाल हरेक देश से एक–एक छात्र ने हिस्सा लिया। इन छात्रों ने अपने–अपने देश की महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर प्रस्तुति की और चर्चा की। इस चर्चा के बाद सभी प्रतिभागियों की राय थी कि इस तरह के सम्मेलनों का आयोजन लगातार होना चाहिए।

बस्ती विकास कार्यक्रम

आई.एस.एस.टी. सन् 2000 से नेहरू कैंप में 'सहेलियों की बाड़ी' नामक कार्यक्रम का संचालन कर रही है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बस्ती में स्थायी विकास प्राप्त करने की दिशा में प्रयास जारी है। मुख्य लक्ष्य है लक्षित समूह के बीच जानकारी और सुविधाओं का प्रचार–प्रसार। सारी गतिविधियाँ स्वास्थ्य (खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली), शिक्षा और जीविका इन तीन वर्गों में केंद्रित की जा सकती हैं।

हालांकि हमारे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, साफ–सफाई, शिक्षा और सरकारी सुविधाओं के बारे में जानकारी देना और जागरूकता पैदा करना है। लेकिन हम नियमित रूप से अनौपचारिक शिक्षा और बस्ती में जिन महिलाओं के बीच काम कर रहे हैं, उनसे सतत संपर्क बनाये रखने के लिए उन्हें कामचलाऊ शिक्षा देने का भी काम कर रहे हैं। हमारे इस पूरे कार्यक्रम का लक्ष्य है 'अच्छे जीवन के लिए शिक्षा'। इसके अलावा महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई के साथ ही कम्प्यूटर साक्षरता और ब्यूटी कल्चर जैसे अल्पावधि के प्रशिक्षण भी दिये जाते हैं।

प्रचार–प्रसार

हमारी गतिविधि का एक प्रमुख हिस्सा है जानकारी का प्रचार–प्रसार। बस्ती की महिलाओं और किशोर वय की लडकियों–लड़कों के लिए निम्नलिखित विषयों पर गोष्ठियाँ आयोजित की गयीं।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली और सूचना का अधिकार

13 अक्टूबर 2005 को केंद्र सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम लागू किया। इस अधिनियम के अनुसार किसी भी व्यक्ति को किसी भी सरकारी विभाग के बारे में किसी भी मामले में जानकारी लेने का पूरा अधिकार है। सरकारी तंत्र में पारदर्शिता लाने के लिए यह अधिनियम एक अच्छा औज़ार है। लेकिन साधारण जनता को इस अधिनियम के उपयोग के बारे में जानकारी नहीं है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस अधिनियम के बारे में जानकारी देने का हमारा प्रयास लगातार जारी है।

27 से 30 जनवरी 2006 को बस्ती के लोगों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली और सूचना का अधिकार पर तीन दिन की कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में भोजन पर अधिकार तथा इससे संबंधित आवश्यक कानूनी जानकारी दी गयी। राशन दुकानदार और सरकारी अधिकारी द्वारा अधिकारों की अवहेलना करने की स्थिति में सूचना का अधिकार कानून के उपयोग करने के बारे में भी बताया गया। इस कार्यशाला में उन्हें सूचना का अधिकार पाने के लिए शिकायत दर्ज करने के बारे में भी बताया गया।
सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार फैला है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली की अनियमितताओं के कारण बस्ती वासियों को इस सुविधा का लाभ उठाने में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण है जानकारी का अभाव। यदि लोगों को राशन में मिलने वाली वस्तुओं की मात्रा, दाम और नियम कानून आदि की सही जानकारी हो, तो वे इस तरह की अनियमितताओं से बच सकते हैं। हमारे क्षेत्रीय कार्यकर्ता नियमित रूप से इन बस्तियों में छोटी–छोटी बैठक करके सार्वजनिक वितरण प्रणाली विभाग द्वारा समय–समय पर किये जाने वाले परिवर्तनों की जानकारी देते रहते हैं।

शिक्षा तक पहुँच

22 से 24 मार्च 2006 को उपरोक्त विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला की शुरुआत शिक्षा की महत्ता, समान शिक्षा के लिए हमारे

संवैधानिक अधिकार और जमीन परिदृश्य पर प्रस्तुत एक परचे से हुई। इस कार्यशाला में स्कूलों और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों पर भी विस्तार से बातचीत हुई।

निर्धन वर्ग के बच्चों के लिए प्रायवेट स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा के लिए 20 प्रतिशत निर्धारित कोटे के सरकारी आदेश की जानकारी भी बस्ती में रहने वाले अधिकांश लोगों को नहीं है। इस सुविधा का लाभ कैसे उठायें, उन्हें यह पता ही नहीं है। हमारे क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने बस्ती में केवल इस जानकारी को फैलाया ही नहीं, बल्कि इन स्कूलों में बच्चों को प्रवेश दिलाने में भी मदद की।

इस आदेश के अंतर्गत हमारे कार्यकर्ताओं ने पूर्वी दिल्ली के विभिन्न्न प्रायवेट स्कूलों में 29 बच्चों का दाखिला करवाया। इसके अलावा हमारे क्षेत्रीय कार्यकर्ता हर साल स्कूल छोड़ चुके बच्चों और अन्य बच्चों का सरकारी स्कूलों में भी दाखिला करवाते हैं।

जन्म प्रमाण पत्र

बस्ती में रहने वाले अधिकांश लोगों ने अपने बच्चों का जन्म पंजीकरण नहीं करवाया है। हमारे क्षेत्रीय कार्यकर्ता बच्चों के अभिभावकों को समझाते हैं कि बच्चों का स्कूल में दाखिला करवाने या राशन कार्ड में बच्चे का नाम जुड़वाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र आवश्यक है। जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सब डिवीज़नल मजिस्ट्रेट के कार्यालय से मिलने वाले फॉर्म की भी जानकारी दी। पिछले वर्ष 18 बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र बनावाया गया।

जिन अस्पतालों में जन्म लेते हैं सिर्फ लड़के, उन पर होगी कार्यवाही

राज्य महिला आयोग ने नर्सिंग होम और अस्पतालों का अचानक दौरा कर उनके जन्म दर संबंधी रेकॉर्ड की जाँच करने का फैसला किया है। जिन अस्पतालों में पिछले 6 महीनों के दौरान सिर्फ लड़के ही पैदा हुए हैं, आयोग ने उनके खिलाफ कार्यवाही करने के संकेत भी दिये हैं। पीसीपीएनडीटी (प्री कन्सेप्शन प्री नेटल सेक्स डाइगनॉस टेस्ट) एक्ट के अंतर्गत लिंग जाँच करना कानूनी अपराध है।

आयोग की अध्यक्ष किरण वालिया ने बताया कि पिछले कुछ समय से ऐसे अस्पतालों और नर्सिंग होम के खिलाफ शिकायतें मिल रही हैं, जहाँ पैसे के बल पर लिंग जाँच का काम जोरों से चल रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए आयोग ने जाँच शुरू करने का फैसला किया है। वालिया ने कहा कि इसके लिए सक्रिय स्वयंसेवी संस्थायें और पुलिस का सहयोग भी लिया जायेगा।

कुछ समय पहले सेंटर फॉर सोशल रिसर्च, एक्शन इंडिया सहित 14 संगठनों ने राजधानी की कुछ संपन्न कॉलोनियों में सर्वे किया। इस सर्वे में पाया गया कि आधुनिक, पढ़े–लिखे और संपन्न परिवारों में भी लड़के–लड़की में काफी अंतर माना जाता है। सर्वे के अनुसार डिफेंस कॉलोनी में प्रति हजार लड़कों के मुकाबले लड़कियों का अनुपात 891 से घटकर 804 पर पहुँच गया। इसके अलावा राजधानी की अन्य संपन्न कॉलोनियों में भी लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या में भारी कमी पायी गयी।

जनसत्ता से साभार

आई.एस.एस.टी., अपर ग्राउंड फ्लोर, कोर 6–ए, इंडिया हैबिटेट सैंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003 द्वारा प्रकाशित। संयोजन : मंजुश्री मिश्र। साज–सज्जा : विशाल कुमार गोयल। ई–मेल : isstdel@isst-india.org वेबसाइट : www.isst-india.org फोन : 91–11–24647873

bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV Lkekpkj if=dk

o"k 13] vd 2

viy l tu 2006

; mud t[eh gkFk

vydk vk;

cPPk gekjk Hkfo"; g

fo'oukFk lpno

vkb-,l-,l-Vh- xfrfof/k;k

vU; [kcj

;g vd

teuh e bl o"k 9 tu l 9 tykb rd fo'k"k vk;ktu Fkk & QVcky fo'o di dkA ijh nfu;k dh vk[k teuh ij gh fVdh FkhA ftu n'kk u bl [ky e fgLLkk fy;k o rk mRlkfgr Fk gh fgLLkk ugh yu oky n'kk dk Hkh mRlkg dkb de ugh FkkA lkj lekpkj i= [ky 'k: gku dh io r;kjh] [ky d nkjku vkj [ky lekfIr d ckn Hkh QVcky fo'o di dh [kcjk l gh Hkj FkA bu lkjh [kcjk e ugh Fk rk o uUg gkFk] tk NkVh&lh me l QVcky lhu d dke e yx tkr gA QVcky [kyu dh me e budk cpiu QVcky dh flykb dj thfodk pyku e fudy tkrk gA

bl vd e iLrr vydk vk; d y[k l bl m|kx vkj m|kx l tM dkexkjk dh fLFkfr dh tkudkjh feyxhA

ckfydk Hk.k gR;k vkj fyx tkp dk jkdu d fy, lu 1994 e *ilo io ijh{k.k rduhd* ¼ih,uMhVh½ dkuu ykx gvkA bl dkuu d cuu d ckn Hkh e'khuk dk n#i;kx tkjh jgkA fyx vuikr e c<r vlryu l LOkfPNd lLFkk *lgr* dh ;kfpdk ij lihe dkV u 10 flrcj 2003 dk fn; x; viu Qly e dn vkj jkT; ljdkjk dk fun'k fn; fd xj&dkuuh dU;k Hk.k gR;k jkdu d fy, vYVklkmM ijh{k.k dnk ij l[rh l fuxjkuh j[kh tk;A bld igy dkV u n'k Hkj e Qy lHkh vYVklkmM dnk dk ithdr djku dk vkn'k Hkh fn;k FkkA

bl rjg vYVklkmM d ek/;e l fyx ijh{k.k rduhd d ifrc/k ij vHkh ijh rjg lQyrk feyh gh ugh g fd bVjuV d ek/;e l fyx ijh{k.k dh ub elhcr vk x;h gA bl ij fu;=.k dj ikuk vkj Hkh dfBu ekuk tk jgk gA itkc e trj&erj d uke l vkb bl Hk;kud ub fdV dh tkudkjh ;gk iLrr gA

bld vykok iLrr g lLFkk e py jg u;&ijku v/;;uk dh tkudkjhA

doy futh forj.k d fy,

; mud t[eh gkFk
vydk vk;

VDlj QVcky dh ppk fo'o ifl) f[kykfM;k d fjdkM] jde] mul tM dN fooknk vkj futh ftnxh ij vkdj [kRe gk tkrh gA mudh l/k dkb ugh yrk tk ; xn cukr gA ep dk etk yu oky D;k tku fd QVcky flyu oky ldMk uUg gkFk mi{kk d t[e d lkFk thr gA LVfM;e e tc QVcky nk Vhek d chp ukp jgh gkrh g] rc Hkh nfu;k d fdlh dku e cky etnj ml fly jg gkr gA gjr bl ckr dh g fd 'QMj'ku vkQ bVju'kuy QVcky ,lkfl,'ku*½QhQk½ Hkh cky etnjh lc/kh viu fn'kk&fun'kk dk ikyu ugh djrkA 1998 e QhQk o [ky lkeku cuku okyh difu;k d chp ,d vkpkj lfgrk cuk;h x;h Fkh fd QVcky cuku okyh difu;k mRiknu dh fdlh Hkh ifØ;k e cky etnjk dk bLreky ugh djxhA

yfdu lpkb ;g g fd Hkkjr vkj ikfdLrku e QVcky cuku okyk e cky etnjk dh l[;k T;knk gA ,d cky etnj dk QVcky flyu d 6 ;k 7 #i; feyr gA gkykfd Bdnkj cky etnjk dk de fngkMh fn; tku l lger ugh gA vkeidk'k uked nyky crkr g fd o NkVh QVcky flyu d nl vkj cMh QVcky flyu d ing #i; nr gA yfdu ejB fty d Mckjk xko d ipkl ifjokj vkeidk'k d nko dk >Bk crkr gA bu ifjokjk d djhc 100 cPPk QVcky flyu dk dke djr gA itkc d tky/kj o cVkyk QVcky cuku d nk ie[k dn gA ;gk d gkykr Hkh cgr vPN ugh gA

2000 e Nih ,d fjikV d vulkj] itkc e QVcky m|kx e djhc nl gtkj cky etnj gA bl rF; dk mtkxj dju rFkk QhQk dk viuh gh vkpkj lfgrk dk mYy?ku dju d fy, ftEenkj cuku d mí'; l fnYyh fLFkr VkVk dlyVlh lfolt u rhu lky igy cVkyk vkj tky/kj e ,d lo{k.k djk;kA lo{k.k ny u 450 ifjokjk o tky/kj e 20 flykb ;fuV l ckrphr dhA lo{k.k l irk pyk fd QVcky flykb m|kx e 5&14 o"k dh vk; ox d cPPk dMh egur djr gA mud dke dju d ?kV r; ugh gA tk cPPk Ldy tkr g] o vklru pkj ?kV ;g dke djr gA ,d cky etnj nk ;k rhu QVcky jktkuk r;kj dj ldrk g] ij bll mudh lgr ij ifrdy iHkko iMrk gA jk"Vh; Je lLFkku d ,d v/;;u d vulkj itkc e QVcky flykb m|kx e dke dju oky etnjk e 45 ifr'kr u mxfy;k] ?kVuk] flj] ihB e nn dh f'kdk;r dhA ,d gh fLFkfr e yxkrkj dke dju l ;g nn gkrk gA bld vykok cPPkk dh utj detkj gk tkrh gA mxfy;k ij db txg dV d fu'kku iM tkr g vkj mxfy;k eM Hkh tkrh gA

QVcky flykb ,d i'kk cu x;k g vkj bl i'k l tM ifjokjk d cPp Hkh etcjh e bldk ,d fgLlk cu tkr gA f[kykfM;k d [ky d fy, QVcky flyu oky cPpk d ikl [kyu dk oDr ugh gkrkA jk"Vh; Je lLFkku l ckrphr dju okyk u Lohdkj fd;k fd bl i'k l tMh lgr lc/kh leL;kvk d dkj.k mUgku viuh jkth&jkVh d bl i'k dk NkM fn;kA

ikFkfed LokLF; dnk dh deh vkj Bdnkjk o fu;krdk }kjk dkexkj cPpk dk bykt u djk;k tkuk fLFkfr dk vkj cnrj cukrk gA ; dkexkj lh/k rkj ij Bdnkj dk tkur gA mUg bruk Hkh ugh ekye gkrk g fd o ftl QVcky dk fly jg g mldk vlyh ekfyd dku gA Bdnkjk vkj etnjk d chp dke dh fLFkfr;k] fngkMh dk ydj dkb fyf[kr djkj ugh gkrkA bll 'kk"k.k gh gkrk gA Bdnkj mUg ?kj ij lkeku nr g vkj ilk nr gA ;g fngkMh ?kVk d fglkc l ugh] cfYd ifr QVcky r; gkrh gA ,d cky etnj dk vklru 6&7 #i; ifr QVcky fey tkr gA ,d o;Ld etnj T;knk dekrk gA yfdu mldh dekb vkf/kdkfjd U;ure vd'ky fngkMh l de gh gkrh gA bl i'k e efgykvk dk i#"kk l de gh ilk feyrk g] djhc nk frgkbA

QhQk] QVcky cuku okyh difu;k] Bdnkj o fu;krd lHkh dk mí'; QVcky etnjk dh dher ij ilk dekuk gA ekfyd o Bdnkj bl vkfFkd

'kk"k.k o nljh leL;kvk d ifr xHkhj utj ugh vkrA ekfyd Bdnkj ij nk"k e<r g rk dkj[kkuk e txg dh deh d dkj.k ?kjk e dke djoku dh odkyr djr gA lp ;g g fd txg dh deh d cgku o 'kk"k.k djr gA dkj[kkuk e cky etnjk l dke djokuk mud fy, dkuuh vMpu g] yfdu ?kjk e lc ekQ gA vly e vjck dh dekb dju okyk *QhQk* QVcky flykb m|kx e yx etnjk d ifr viuh lkekftd ftEenkjh l Hkkx jgk gA

QVcky cuku oky n'kk e ikfdLrku igy ucj ij gA ;gk Hkh cky etnj dke djr gA ;gk d QVcky flykb m|kx dh ,d fjkV e ;g [kyklk fd;k x;kA ikfdLrku dk L;kydkV QVcky d fy, ifl) gA lkxk LikVl diuh ikfdLrku e QVcky cuku okyh difu;k e ,d gA ;g nkgj ekinM viukrh gA L;kydkV 'kgj e dke dju oky viu LVkQ dk rk diuh vPNk oru nrh g] ij 'kgj l nj QVcky flyu oky cPPkk dk vkfFkd 'kk"k.k djrh gA ;g fLFkfr rc g tc ikfdLrku 1994 e vrjk"Vh; Je lxBu d cky etnjh mUeyu dk;Øe e 'kkfey gvk FkkA

Qjojh 1999 e L;kydkV e QVcky m|kx l cky etnjh dk lQk;k dju dh ,d ifj;ktuk Hkh 'k: gb FkhA ,d [kkth ny dk nkok g fd dkdkdkyk vkj ,fMnkl d QVcky cuku e cky etnjk dk bLreky gkrk gA ;g ugh Hkyuk pkfg, fd QhQk fo'o QVcky di 2002 d e[; ik;ktd dkdkdkyk o ,fMnkl gh FkA bl o"k g, fo'o QVcky di e n'kd u f[kykfM;k d fy, rkfy;k ctk;h] LVfM;e e jxkjx dk;Øe g,] yfdu QVcky flyu okyh uUgh mxfy;k d t[e fdlh dk ;kn ugh vk;A

tulÙkk l lkHkkj

cPPk gekjk Hkfo"; g

fo'oukFk lpno

fulQ u Hkkjr d cPPkk d LokLF; d ckj e fprk trkb gA mldh ,d rktk fjkV e dgk x;k g fd Hkkjr e lc&lgkjk vÝhdk l Hkh T;knk dikf"kr cPPk gA Qd g] rk flQ bruk fd vÝhdh n'kk d T;knkrj cPPkk dh lgr fprk dk fo"k; g] tcfd Hkkjr e fodkl d Vkivk d dkj.k dN cPPk ,l Hkh g] tk lgr dh –f"V l cgr vPNh fLFkfr e gA yfdu dN rk cgr dN ugh gkrA bl utj l n[k rk n'k dh ljdkj dk vkj mu lcdk Hkh ftu ij n'k d cgrj Hkfo"; dh ftEenkjh g] ;fulQ dh xHkhjrk dh fprk dk le>uk pkfg,A

bl fjkV d vulkj gekj n'k e lkykuk ctV dk dy ,d ifr'kr gh cPPkk dh lgr d fy, r; gA bldk eryc ;g g fd n'k d T;knkrj cPp lgr d ldV l t> jg gA blh dk urhtk g fd vk, fnu n'k d fdlh u fdlh fgLl l dik"k.k d dkj.k cPPkk d chekj gku vkj fQj eju dh [kcj vkrh jgrh gA lh/kh&lknh Hkk"kk e bldk eryc Hk[k l ejuk gkrk g] ljdkj pkg bl dN Hkh uke D;k u nrh jgA ;fulQ dh fjkV d ckj e Hkh Hkkjr ljdkj dh rjQ l ;g lQkb nh x;h g fd ;g 1998 d ijku vkdMk ij vk/kkfjr gA yfdu n'k d fupy rcd rd gYFk lfol d igpu dh j¶rkj dk n[kr g, ;g vnktk yxkuk ef'dy ugh g fd bu lkr lkyk e gkyr e dkb [kkl l/kkj ugh vk;k g fiNMk in'k eku tku oky mMhlk l ydj vkfFkd –f"V l dgh cgrj fLFkfr oky egkjk"V l Hkh vk, fnu dik"k.k l eju oky cPPkk dh [kcj vkrh jgrh gA ,lh ,d Hkh ekr fdlh Hkh lH; lekt d fy, 'ke dh ckr gkuh pkfg,] yfdu gekj ;gk lekt bl ckj e lkpuk Hkh ugh pkgrk vkj ljdkjk dk irk ugh D;k ;g fo"k; xHkhj ugh yxrkA ljdkjk u rk bl ckj e ckr dju d fy, ,d fnu r; dj j[kk g& cky fnolA gj lky cky fnol d ekd ij ljdkj cPPkk dh lgr dh ckr djrh g vkj lHkkr egYyk e LoLFk f'k'k ifr;kfxrk; vk;kftr dj yh tkrh gA v[kckjk e fdlh xkyeVky cPPk dk QkVk Ni tkrk g vkj cPpk d fy, egx QMl r;kj dju okyh fdlh diuh dh vkj l buke dk ,yku dj

fn;k tkrk gA vkj ;fn ,l fdlh ekd ij dkb vkfnokl h bykdk e cPPkk dh cngkyh dh ckr dj n] rk ml chekj utfj; okyk ?kkf"kr dj fn;k tkrk gA

tcfd lpkb ;g g fd chekj utfj;k mudk g] tk chekj cPPkk d ckj e lkpuk ugh pkgr vkj tk ;g le>r g fd ;fulQ dh fjikV bru ijku rF;k ij vk/kkfjr g fd mld ckj e fQØ ugh djuh pkfg,A fodkl d u;&u; nko dju okyk dk ;g ckr dc le> vk;xh fd n'k d 47 ifr'kr cPPkk dk vko';drk l de otu dk gkuk fodkl d gekj ekMy ij gh lokfy;k fu'kku ugh yxkrk] cfYd ;g bl ckr dk Hkh ldr g fd ge ml dcrj dh rjg crko dj jg g] tk vk[k cn djd ;g le> yrk g fd fcYyh dk [krjk g gh ughA

;fulQ dh fjikV d vulkj fodkl'khy n'kk d ikp lky l de me d cPPkk e l 27 ifr'kr dk HkjiV Hkktu ugh feyrk gA gekjk n'k Hkh bUgh fodkl'khy n'kk e l ,d gA bldk eryc ;g g fd n'k d ikp lky dh me rd d ,d pkFkkb l Hkh vf/kd cPPk dik"k.k d f'kdkj gA mUg HkjiV Hkktu ugh feyrkA blhfy, mue chekfj;k l yMu dh rkdr ugh g vkj o vle; eju d fy, 'kkfir gA yfdu D;k lpep mUg bl 'kki l cpk;k ugh tk ldrk ;k ugh cpk;k tkuk pkfg, \ bu nkuk lokyk dk tokc *gk* e gA ' 'kr flQ bruh lh g fd ge ldV l bdkj ugh djA Hkkjr dk bl ckj e fpfrr vkj tkx:d gkuk gh gkxkA

;fulQ u lu 2015 rd nfu;k l xjhch vkj Hk[kejh feVku dk y{; r; fd;k FkkA bldk vFk g] nfu;k dk gj n'k bl y{; dk ikIr dju dh fn'kk e opuc) gk] dk;okgh dj vkj ;g dk;okgh ckrk ;k ukjk rd lhfer ugh gkuh pkfg,A ,lh fdlh Hkh bekunkj dk;okgh dk eryc ;g g fd n'k d fdlh Hkh Hkkx e ,d Hkh cPPk dk dik"k.k l ejuk ij n'k dh fprk cu tk;A vke turk dh lgr gekjh ikFkfedrkvk dh lph e lgh txg ij gkA ge ;fulQ dh bll lcf/kr fdlh fjikV dk ijku vkdMk ij vk/kkfjr dgdj [kkfjt dju d ctk; ;g lkp fd Hk[k l fdlh cPPk d eju dh jk"Vh; 'ke dh ?kVuk ge Hkhrj rd >d>kjrh D;k ugh gA

ge ;g Lohdkjuk gh gkxk fd lgr dk tk ikFkfedrk feyuh pkfg,] gekj dfeVeV vkj dnek e og ugh fn[krhA vkj ge bl ckj e Hkh xHkhjrk l lkpuk gkxk fd fodkl d Vki fodkl dk Hke gh djokr g] ijk fodkl ugh gkrA dik"k.k dh leL;k dk eryc flQ cPPkk dk detkj gkuk ;k chekjh l ejuk gh ugh g] bldk eryc ;g Hkh g fd n'k dh ,d pkFkkb vkcknh d ikl ftnxh xtkju d brtke ugh gA blhfy, dik"k.k d f[kykQ yMkb dk eryc t:jrenk dk thou d fy, t:jh lk/ku eg;k djuk gA ;g rHkh lHko g tc ge viuh fodkl ;ktukvk dk lcl lk/kughu dk utj e j[kdj r;kj dj] ykx djA bld fy, t:jh g fd ;fulQ dh ;g fjikV ge [krjk l vkxkg dju vkj mul yMu dk tfj;k yx] u fd gekj f[kykQ vkjki yxku dh fdlh lkft'k dk fgLlkA nko ij gekjk Hkfo"; yxk gA

uoHkkjr VkbEl l lkHkkj

tMj uVod % rhljk pj.k

VkfFkd l/kkjk dk tMj ifji{; e iMu oky vlj dk le>u d fy, vkb-,l-,l-Vh- e py jg v/;;u tMj uVod dk rhljk pj.k yxHkx lekfIr dh vkj gA vHkh rd bl v/;;u l tMh lg;kxh lLFkk bLVhV;V vkQ bdkukfeDl] fo;ruke(ikfdLrku bLVhV;V vkQ MoyieV bdkukfeDl vkj lVj Qkj oel fjlp Jh&ydk }kjk bl fn'kk e fd; x; dke dh fjikV ge fey x;h gA vU; lg;kxh lLFkkvk dh fjikV Hkh tYn gh vku dh mEehn gA

Loluk e[kkik/;k; vkj fou; dkcy }kjk fyf[kr iLrd *bUQe'ku ,M dE;fud'ku VDukykth ,M tMj* dk idk'ku foKku ilkj }kjk fd;k x;k gA fiNy o"k tMj uVod }kjk vk;kftr vkb-lh-Vh- ij g, jk"Vh; lEeyu dh fjikV Hkh tMj] VDukykth vkj MoyieV uked if=dk e idkf'kr gb gA

{k=h; dk;ky; % tkudkjh vkj lpuk dn

Vkb-,l-,l-Vh- u LokLF;] f'k{kk] lpuk dk vf/kdkj vkfn fo"k;k ij tkx:drk c<ku d fy, {k=h; dk;ky; e xkf"B;k dk vk;ktu fd;kA bu xkf"B;k e dchj] ifjoru tlh LofPNd lLFkkvk u Hkh lg;kx fn;kA xk"Bh e fgLlk yu oky ifrfuf/k bu xkf"B;k l ykHk mBk ld blhfy, lHkh xkf"B;k dh vof/k nk l rhu fnu dh j[kh x;hA bu xkf"B;k dk igyk fnu vkilh ifjp; vkj vxy fnu gku okyh ppk dh cfu;knh ckrk d fy, j[kk x;kA ftll ifrfuf/k ldkp NkMdj [kydj ppk e fgLLkk y ldA

24 vxLr dk LokLF; ij gb xk"Bh dh tkudkjh fiNy vd e nh tk pdh gA 27 l 30 tuojh dk dchj QkmM'ku e lpuk dk vf/kdkj vkj lkotfud forj.k i.kkyh ij nljh dk;'kkyk dk vk;ktu fd;k x;kA bl dk;'kkyk e jk'ku ikIr dju e gku okyh dfBukb;k d ek/;e l lkotfud forj.k i.kkyh] i'kklfud <kp] jk'ku dkM vkfn d ckj e tkudkjh nh x;hA bl dk;'kkyk e bl foHkkx l tM vf/kdkfj;k dk Hkh cyk;k x;k] ftll ifrHkkxh lh/k gh mud lkeu leL;k; j[k ldA ifrHkkfx;k dk lfdy dk;ky; y tk;k x;k] tgk jk'ku ndkunkj vkj lpuk dk vf/kdkj iku d fy, vkonu dju dh ijh ifØ;k dk in'ku fd;k x;kA

22 ekp l 24 ekp 2006 dk vk;kftr rhljh dk;'kkyk dk fo"k; Fkk & f'k{kkA bl ppk dk e[; tkj ;gh Fkk fd L=h&i#"k] vehj&xjhc] fdlh Hkh /ke] tkfr d ykxk dk f'k{kk eyHkr vf/kdkj gA bl dk;'kkyk e fnYyh dh f'k{kk i.kkyh] f'k{kk e ljdkj dh Hkfedk] f'k{kk d Qk;n vkj fnYyh d ukxfjdk dk f'k{kk d {k= e miyC/k fofHkUu voljk ij ppk dh x;hA

jk"Vh; xkeh.k jktxkj dkuu vkj Ekfgyk;

Vkb-,l-,l-Vh-u fiNy fnuk vrjk"Vh; Je e=ky; d fy, mijkDr fo"k; ij ,d v/;;u fd;k gA bl v/;;u dk e[; mí'; Fkk jk"Vh; xkeh.k jktxkj dkuu e efgykvk dh Hkkxhnkjh vkj LFkkuh; xkeh.k vFk0;oLFkk dk etcr dju d fy, ikdfrd llk/kuk]link dk etcr dju d ifji{; e bl dk;Øe dk fo'y"k.k djukA bl rjg dh tkudkjh bdVBh dju d fy, pkj jkT; pu x; vkj iR;d jkT; l ,d ftyk puk x;kA bu ftyk dk puko 200 ftyk e fØ;kfUor jk"Vh; xkeh.k jktxkj dkuu dh lph l fd;k x;kA ; pkj fty g % fljkgh¼jktLFkku½] /kkj¼e/; in'k½]xycxk ¼dukVd½ vkj lnjx< ¼mMhlk½A

v/;;u l mHkjdj vk;h dN e[; ckr bl idkj gh bl ;ktuk d vrxr jktxkj iku okyk e lHkh ;kX; efgyk&i#"kk dh l[;k yxHkx leku gA doy jkTkLFkku e efgykvk dh ;g l[;k 70&80 ifr'kr g] yfdu cPpk d fy, >yk?kj vkj Nllkj vkfn dh dkb lfo/kk ugh gA lkr l chl o"k dh vk; ox dh efgykvk e fuj{kjrk vf/kd ik;h x;hA xycxk e fuj{kjrk dk ;g Lrj 68 ifr'kr] fljkgh e 67 ifr'kr] /kkj e 61 ifr'kr vkj lnjx< e 52 ifr'kr rd ik;k x;kA jk"Vh; xkeh.k jktxkj l lcl vf/kd lnL;rk /kkj fty dh gA ble Lo; lgk;rk leg d 18 ifr'kr lnL; vkj LokJ;h efgyk lxBu ¼lok½ dh 77 ifr'kr lnL;k; gA lnjx<] xycxk vkj fljkgh e ;g lnL;rk Øe'k% 62 ifr'kr] 29 ifr'kr vkj 23 ifr'kr gA tgk rd bl ;ktuk d ckj e tkx:drk dk loky g fljkgh e 50 ifr'kr vkj /kkj e 30 ifr'kr ykxk u bl ;ktuk d ckj e ,d&nlj l lukA lnjx< e 80 ifr'kr ykxk u dgk fd mUg xko d tkudkj 0;fDr l bl ;ktuk d ckj e irk pykA xycxk d ykxk dk Hkh ;gh dguk Fkk] doy ,d mUkjnkrk dk dguk Fkk fd ml ;g tkudkjh ljip l feyhA

ikFkfed f'k{kk % iujkoykdu

n'k e lkekU; lfo/kkvk l ofpr cPPkk d chp ikFkfed f'k{kk dh fLFkfr dk le>u d fy, vkb-,l-,l-Vh- u ,d v/;;u dh 'k#vkr dh gA v/;;u dk mí'; g & fiNy nl o"kk e fcgkj] NÙkh lx<] fgekpy in'k] >kj[kM] e/; in'k] dukVd] mÙkjkpy] jktLFkku vkj mÙkj in'k e ik;ejh f'k{kk e D;k egÙoi.k ifjoru g, g] bldk irk yxkukA bld vykok ikFkfed f'k{kk e vfHkHkkodk] f'k{kdk vkj cPPkk d lkeu vku okyh dfBukb;k dk Hkh le>u dh dkf'k'k dh tk;xhA HknHkko vkj fglk] fodnhdj.k dk iHkko vkj ik;oV Ldyk dh c<rh l[;k tl ennk ij dfnr dl LVMh Hkh dh tk;xhA bVju'kuy MoyieV fjlp lVj d lg;kx l py jg bl v/;;u dh vof/k <kb o"k gA

tMj ikfylh Qkje

tMj ikfylh Qkje dh lkroh cBd e tokgj yky ug: fo'ofo|ky; d lVj vkQ lk'ky efMflu vkj lkenkf;d LokLF; foHkkx e dk;jr MkDVj fjr fi;k vkj *fn MfoM ,M Y;fly iddkM QkmM'ku* d Jh yLVj dkmfVUgk u viu fopkj j[kA 9 tu 2006 dk bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV vkj bfM;k gfcVV lVj }kjk l;Dr :Ik l vk;kftr bl ppk dk fo"k; Fkk & *yfxd lonu'khyrk vkj LokLF;*A

MkDVj fjr fi;k u lkenkf;d LokLF; dh fn'kk e egÙoi.k uhfr;k d urhtk ij idk'k MkykA mUgku tMj ifji{; e ljdkjh LokLF; lfo/kkvk vkj mudh miyC/krk dh dMh vkykpuk dhA

Jh yLVj dkmfVUgk dh iLrfr n'k d fofHkUUk Hkkxk e fd; x; mud 'kk/k dk; d vuHkok ij vk/kkfjr FkhA mUgku lkekU; Hkkjrh; efgykvk }kjk vk/kfud xHkfujk/kd rduhd d mi;kx vkj mldh t:jr l ppk dh 'k#vkr dhA ljdkjh LokLF; uhfr;k vkj ljdkj }kjk lpkfyr ifjokj fu;ktu dk;Øek d ckj e MkDVj fjr fi;k vkj Jh yLVj dkmfVUgk u viuh ekU;rkvk dk 0;Dr fd;kA

?kjy dkexkj % dl LVMh

bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV ?kjy dkexkjk dh lkekftd vkfFkd fLFkfr dk le>u d fy, ,d v/;;u dj jgk gA ;g v/;;u *gkeuV bfM;k* }kjk ?kjy dkexkjk dk mud vf/kdkj fnyku d fy, fd; tku oky ipkj e rk lg;kxh gk gh ldrk g lkFk gh bl fn'kk e 'kk/k d u; jkLr Hkh [kky ldrk gA

bl v/;;u e itkc] fcgkj vkj mÙkj in'k dk 'kkfey fd;k x;k gA itkc d tky/kj e QVcky] iVuk ¼fcgkj½ e ckljh] pkdyV jfix] pMh vkj chMh rFkk mÙkj in'k e ,flyd od] vxjcÙkh] b= vkj irx m|kx e dk;jr dkexkjk dh fLFkfr dk le>u dh dkf'k'k dh tk;xhA bl v/;;u e mu lc ennk ij fo'k"k /;ku fn;k tk;x] ftue uhfrxr cnyko dh t:jr g] tl % bu m|kxk dk LoHkko] dke dh fLFkfr vkj dkexkjk dh lkekftd&vkfFkd vlj{kk] vkenuh] mRiknu J[kyk] ?kj dh fLFkfr vkj lk;koj.k] thfodk d lk/ku vkj odfYid dk'kyA

efgykvk d if'k{k.k vkj jktxkj d lg;kx d fy, dk;Øe % ,d eY;kdu

bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV dk Hkkjr ljdkj d efgyk vkj cky fodkl foHkkx u jk"Vh; Lrj ij 'k# fd; x; *LVi* ¼likV Vfux ,M ,Elyk;eV½ dk;Øe d eY;kdu dk dke lkik gA

jk"Vh; vk;kx d fu"d"kk d ifj.kkeLo:Ik LokJ;h efgykvk vkj vlxfBr {k= dh efgykvk d fy, Hkkjr ljdkj d efgyk vkj cky fodkl foHkkx u lu 1986 e ;g dk;Øe 'k: fd;k FkkA bl ;ktuk dk e[; mí'; vkB ikjifjd {k=k e efgykvk dk LFkk;h jktxkj nuk vkj if'k{k.k d ek/;e l mudh d'kyrk dk c<kuk gA ; vkB {k= g & —f"k] M;jh] Ik'kikyu] eNyh ikyu] gkFkdj?kk] gLrdyk] [kknh vkj dVhj m|kx] ljhdYpjA lu 1986 l n'k d fofHkUUk jkT;k e dk;jr LofPNd lxBu] ljdkjh foHkkxk vkj lgdkjh lfefr;k dk bl dk;Øe d lpkyu d fy, vunku fn;k tkrk jgk gA bl dke dk pyr g, chl o"k gk x; gA

vkb-,l-,l-Vh- }kjk fd; tk jg eY;kdu d mí'; g % efgykvk d dke e lg;kx ndj efgykvk e tkx:drk yku d mí'; e ;g dk;Øe fdruk l{ke jgk g bldh leh{kk djuk vkj bl dk;Øe d okLrfod mí'; rFkk dke dju d rjhd e fdlh rjg dk ifjoru dju dh t:jr gk] rk vko';d l>ko nukA

v/;;u d dk; Lo:Ik lkj 14 tykb 06 dk bfM;k bVju'kuy lVj e dk;'kkyk dk vk;ktu fd;k x;kA bl xk"Bh e v/;;u d fy, {k= rFkk ;ktuk d puko ij ppk gbA

bld vykok *LVi* dk;Øe d vrxr dukVd e i'kikyu {k= e cdjh ikyu vkj fnYyh e LofPNd lLFkk }kjk lpkfyr gLrdj?kk m|kx d eY;kdu dk dke Hkh vkb-,l-,l-Vh- dk lkik x;k gA

cLrh fodkl dk;Øe

Vkb-,l-,l-Vh- ioh fnYyh d ug: di vkj lkfu;k di e pyk; tk jg dk;Øek dk e[; y{; g yf{kr leg d chp tkudkjh vkj lfo/kkvk dk ipkj&ilkjA lkjh xfrfof/k;k LokLF; ¼[kk| lj{kk vkj lkotfud forj.k i.kkyh½] f'k{kk vkj thfodk bu rhu oxk e dfnr gA

fd'kkj vkj ;odk d fy, dk;Øe

gekjk e[; mí'; g detkj ox vkj fd'kkj o; d ;od ;ofr;k dk mud thou l tM fo"k;k ij le; l fu;fer tkudkjh nr jgukA fiNy fnuk bud fy, fjlkl lVj dh 'k#vkr dh x;hA bl dn dh fofHkUUk xfrfof/k;k dk lpkyu fd'kkj ;od&;ofr;k }kjk gh fd;k tkrk gA fjlkl lVj dh e[; xfrfof/k;k bl idkj g % cky iLrdky;] dEI;Vj lk{kjrk] ukVd eMyh] xkf"B;k] ijLij vknku&inku d fy, ppk leg] pfj= fuek.k vkj 0;kolkf;d ijke'kA

ppk leg

cLrh vkj iuokl dkykuh d fd'kkj o; d ;od ;ofr;k d fy, gky gh e ppk leg dk xBu fd;k x;k gA ;g leg ekg e ,d ckj feyxkA

0;kolkf;d if'k{k.k

0;kolkf;d ijke'k d vrxr dn e vku oky vf/kdk'k cPpk dk fofHkUUk ljdkjh if'k{k.k dnk e fHkUUk m|kxk vkj rduhdk d if'k{k.k d fy, Hktk x;kA ble 'kkfey g % vkVkekckby ejEer] flykb] dEI;Vj gkMo;j vkj lk¶Vo;j if'k{k.kA

Ldyk e nkf[kyk

gekj {k=h; dk;drk gj lky Ldy NkM pd cPPkk vkj vU; cPPkk dk ljdkjh Ldyk e nkf[kyk djokr gA

fiNy o"k ljdkj u ,d vkn'k }kjk ik;oV Ldyk e fu/ku ox d cPPkk dh fu%'kYd f'k{kk d fy, 20 ifr'kr dkVk r; fd;kA bl vkn'k d vrxr gekj dk;drkvk u ioh fnYyh d fofHkUUu ik;oV Ldyk e 47 cPPkk dk nkf[kyk djok;kA

tUe vkj vk; iek.k i=

cLrh e jgu oky vf/kdk'k ykxk u viu cPPkk dk tUe ithdj.k ugh djok;k gA gekj {k=h; dk;drk cPpk d vfHkHkkodk dk tUe iek.k i= dh vko';drk d ckj e crkr g vkj tUe iek.k i= cuoku dh ijh ifØ;k dh tkudkjh Hkh nr gA vHkh rd 20 cPPkk dk tUe iek.k i= cukok;k tk pdk gA

gky gh e ?kkf"kr ljdkjh vf/klpuk d vulkj vR;kn; jk'ku dkM½ch-ih-,y-½d fy, vk; iek.k i= vko';d gk x;k gA ifCyd Ldyk e 20 ifr'kr Qhf'ki dkVk d vrxr nkf[ky d fy, Hkh vk; iek.k i= dk gkuk t:jh gA fu/ku ox d cPPkk dk ifCyd Ldy e io'k fnyku d fy, {k=h; dk;drkvk u 25 vfHkHkkodk dk ,lMh,e l vk; iek.k i= fnyoku e enn dhA

fyx igpku fdV l gkxh ij'kkfu;k

trj&erj uke l igpku cuku oky bl fdV l [ku dh dN cnk l gh xHk e ektn cPPk dk irk yxk;k tk ldrk gA ueuk Hktu d ckn 48 ?kV e b&ey ij fey tkrk g&urhtkA

ftu jkT;k e vYVklkmM d ek/;e l fyx fu/kkj.k ijh{k.kk ij fu;=.k lQy gk x;k g] mud fy, bVjuV ij miyC/k ,d vefjdh fyx fu/kkj.k fdV elhcr dk dkj.k curk tk jgk gA bl fdV d ek/;e l xHk/kkj.k l ikp llrkg d Hkhrj gh fyx fu/kkj.k dk irk yxk;k tk ldrk gA

n'k d rhu mÙkjh jkT;k & itkc] gfj;k.kk vkj fnYyh e L=h&i#"kk d vuikr e Hkkjh vrj gA itkc e ifr gtkj i#"k d vuikr e efgykvk dh l[;k 874 gA fyx fu/kkj.k fdV & cch tMj eVj gke Mh,u, tMj VfLVx fdV MCY;MCY;MCY; ixulh LVkj MkV dke ij 275 Mkyj e miyC/k gA ,lh vk'kdk g fd Hkkjr e fyx fu/kkj.k dkuuh vijk/k gku d dkj.k ;g fdV /kMYy l ckt kj e vk tk;xkA

itkc e ;g fdV *trj&erj* d uke l vk Hkh pdk gA bl fdV e nk ixulh VLV vkj elkplV yckjVjh dk mxyh d ikjk l jDr ueuk bdVBk dj Hktu d fy, ,d fcYV bu midj.k ektn gA ueu feyu ij 48 ?kVk d Hkhrj b&ey d tfj; xkiuh; fjikV Hkt nh tkrh gA ykoy] ekl dh ,D;&tu ck;kyc }kjk ikll dh tku okyh yfxd tkp doy vefjdk e gh miyC/k gA

bld ckj e itkc fLFkr bfM;u efMdy ,lkfl,'ku d io v/;{k MkDVj dynhi flg dgr g fd ;fn ;g fdV Hkkjrh; ckt kj e io'k dj x;k rk efgyk Hk.k d xHkikr d idj.k c<u d lkFk&lkFk L=h&i#"kk d vuikr e vkj T;knk vrj vk tk;xkA

ijh{k.k d fy, 99-5 ifr'kr lQyrk dk nkok dju okyh bl fdV dh oclkbV e dgk x;k g fd fiNy 14 o"kk l bldk ijh{k.k pyk gA bl rduhd e ek d [ku l lfØ; ftufVd fQVy Økeklkekuy Mh,u, dh ek=k dk irk yxk;k tkrk gA cch tMj eVj yc ek dh jDr/kkj e ikb x;h Qk;Vl vkfjftuVM LiflfQd Økeklke flDol d ek/;e l fyx dk irk yxk yrh g fd xHk e yMdk g ;k yMdhA ;fn jDr e Qk,Vl vkfjftuVM okb&LIkflfQd Økeklke J[kyk ik;h tkrh g] rk efgyk d xHk e yMdk gkrk gA ;fn Qk,Vl vkfjftuVM ,Dl&LIkflfQd Økeklke J[kyk ik;h tkrh g] rk efgyk d xHk e yMdh gkrh gA

vYVklkmM i.kkyh }kjk fyx igpku ijh{k.k dk ifrcf/kr dju d fy, rth l vknkyu pyku oky uok 'kgj d mik;Dr dgr g fd ;fn ;g fdV ektn g rk ej fy, bll cMh fprk dh vkj dkb ckr ugh gkxhA igy ge vYVklkmM e'khu d tfj; fd; tku oky ijh{k.kk dk ijh rjg l jkd iku e vlQy jg g] ,l e ;g ub fdV elhcr dk vkj c<k nxhA bl ckj e bLVhV;V Qkj MoyieV ,M dE;fud'ku pMhx< dh ,d lekt foKkuh judk Mkxj dk dguk g fd yfxd U;k; dh ikflr doy fyx&p;u rduhdk ij fu'kkuk lk/ku l gh ugh gkxh] bld fy, lkekftd <kp e Hkh cgr cnyko yk;k tkuk vif{kr gA

ubnfu;k l lkHkkj

vkb-,l-,l-Vh-] vij xkmM ¶ykj] dkj 6&,] bfM;k gfcVV lVj] yk/kh jkM] ub fnYyh&110003 }kjk
idkf'krA l;ktu ¼etJh feJA lkt&lTtk ¼fo'kky dekj xk;yA b&ey ¼isstdel@isst-india.org
oclkbV ¼www.isst-india.org Qku ¼91&11&24647873

bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV **Lkekpkj if=dk**

;g vd

o"k 13] vd 3

tykb l flrcj 2006

jDr l lu gkFk

ihfr flg

efgykvk d LokLF; dk l/kkju dh t:jr

' 'ky tk pnk

vkb-,l-,l-Vh xfrfof/k;k

?kj[kkrk dkexkj % dl LVMh

fnYyh e dkedkth efgykvk dh Hkkxhnkjh

LVi dk;Øe % eY;kdu

euekgu flg th dh ljdkj dh igyh ikFkfedrk dU;k Hk.k gR;k d ekeyk e deh yku dh FkhA yfdu fyx vuikr e yxkrkj vk jgh fxjkoV l ,lk ugh yxrk fd bl fn'kk e dkb dBkj dne mBk; tk jg gA

fiNy dN o"kk e n'k e] [kklrkj l mÙkj&if'pe jkT;k e dU;k gR;k dk /k/kk ,d lxfBr vijk/k d :Ik e fodflr gvk gA itkc vkj gfj;k.kk tgk vk; d ekey e lcl vkx gA fyxkuikr e vk jgh fxjkoV e Hkh ihN ugh gA

;fn dU;k gR;k dk ie[k dkj.k ngt g] rk nkvkck] fnYyh vkj pMhx< d i<&fy[k lekt e ;g gR;k D;k dh tk jgh g \ ;gk rk vk; #i;k e ugh Mkyjk e gA bl i'u dk mBk jgh g &lJh ihfr flgA

bl vd e iLrr g dU;k Hk.k gR;k d ckj e lJh ihfr flg d fopkjA

vk/kh nfu;k dgk tku okyk lekt dk ;g fgLLkk ge'kk l mif{kr jgk gA xHk e iy jgh dU;k f'k'k ;fn tUe y Hkh yrh g] rk mi{kk d chp e gh og iyrh c<rh gA f'k{kk] LokLF; vkfn lHkh e o nljh J.kh e vkrh gA ub ih<h dk tUe nu okyh efgyk d LokLF; ij /;ku nuk cgr t:jh gA

efgyk LokLF; dk l/kkju e D;k&D;k rjhd viuk; tk ldr gA bl crk jgh g & 'ky tk pnkA

jDr l lu gkFk

ihfr flg

fiNy fnuk itkc d ifV;kyk fty d ikrMk dLc e nk dvk e ntuk dU;k Hk.k ik; x;A ,d uhegdheuek MkDVj db lkyk l dU;k&Hk.k gR;k dk ;g /k/kk c/kMd py jgk FkkA bl [kcj l dN gh fnu igy mn;ij dh >hy e dU;k&Hk.k rjr g, fey FkA bl ?kVuk d dN fnu ckn gh vyhx< e Hkh bl rjg dk ,d dvk ik; tku dh [kcj vk;h FkhA

bu ?kVukvk dh idfr e dkb ekfyd vrj ugh g] cl txg cny x;h g&vijk/k ogh gA vijk/k l ink g, loky ogh g vkj vxj dkb blku bud tokc <<uk pkg rk mud tokc Hkh ogh gA yMfd;k d ifr fd; tk jg bl rjg d vijk/k ekuork ij dyd rk g gh] lkFk gh ; rFkkdfFkr vk/kfud lH;rk e efgykvk dh fLFkfr vkj mud ifr lekt dh ekufldrk dk Hkh mtkxj djr gA

fiNy dN o"kk e viu n'k] [kklrkj l mÙkj&if'pe d jkT;k e dU;k&Hk.k gR;k dk ;g /k/kk ,d lxfBr vijk/k d :Ik e fodflr gvk g] ftle djhc ijk lekt lc dN tkur le>r g, 'kkfey gA fyxkuikr dh yxkrkj fcxMrh fLFkfr bldk iek.k gA ij Hkkjr e vkj [kklrkj l itkc] gfj;k.kk] fnYyh] pMhx<] xtjkr] if'peh mÙkj in'k vkj fgekpy in'k e fyxkuikr [krjukd Lrj rd uhp fxj x;k gA 0&6 o"k vk; ox e fyxkuikr dh fLFkfr dk n[ku ij dU;k&Hk.k gR;k d 0;kolkf;d :Ik/kkj.k dj tku dk [kn gh [kykl gk tkrk gA itkc tgk n'k dk lcl de fyxkuikr okyk jkT; g rk ogh ifr 0;fDRk vk; d ekey e itkc dk ihN NkMdj igy ucj ij vk tku okyk jkT; gfj;k.kk de fyxkuikr d ekey e Hkh nlj ucj ij gA fodkl dh ckr djr gh bu nkuk jkT;k dh rLohj ekMy jkT;k d :Ik e gekj lkeu i'k dh tkrh gA gfjr Økfr d ?kkM ij lokj bu jkT;k u n'k d vUUk HkMkjk dk c'kd Hkj fn;kA yfdu efgykvk d ekey e ; [kkyh fn[k;h iMr g] tgk yMfd;k dk tUe yuk fdlh vijk/k l de ugh gA doy ; nkuk jkT; gh ugh cfYd Hkkjr dk fodflr ekuk tku okyk mÙkj if'pe dk {k= bl vijk/k e fodkl d vuikr e 'kkfey gA FkkMk vkj fo'y"k.k dju ij ge n[kr g fd itkc dk lcl vehj nkvkck {k=¼lryt vkj 0;kl ufn;k dh chp dk {k=½] flVh C;VhQy pMhx<] gfj;k.kk dk vUUk HkMkj dgk tku okyk ftyk d#{k= vkj n'k dk egk'kfDRk cuku dk nkok dju oky uhfr&fu/kkjdk dk uxj fnYyh] bl n'k l efgykvk dk [kREk dju dk chMk mBku e Hkh lcl vkx fn[kk;h iMr gA fodkl vkj vk/kfudrk dh lnj rLohj d ihN lekt dk og Øj pgjk fNik g tgk yMdh tUe ugh y ldrhA ;fn dkb yMdh n?kVuko'k ink gk Hkh tkrh g rk ngt gR;k l ydj bTTkr d uke ij yMfd;k dk ekj nu e Hkh ;g {k= lcl vkx gA ,lk yxrk g ekuk ijk lekt viu fdlh tkuh n'eu dk [kRe dju d fy, feydj mB [kMk gvk g vkj lxfBr gkdj mld fy, ekr d d, [kkn jgk gA

fyxkuikr dh [kjkc gkrh fLFkfr ij fdlh Hkh vke blku l ckr dju ij vDlj mldk tokc gkrk g&ngt] lekt dk fcxMrk ekgky] f'k{kk ij c<rk [kp vkj Qu mBkrh miHkkDrkoknh lLdfr d dkj.k Hkkfrd l[k&lfo/kkvk dk ik yu dh pkg tlh leL;k; ;fn Bhd gk tk; rk gkyr cgrj gk ldr gA [kklrkj l ngt vkj lekt d fcxMr ekgky dk dU;k&Hk.k gR;k d cM dkj.k eku ldr gA reke ljdkjh foKkiu vkj i;kl ngt dk gh e[; dkj.k fl) dju ij dej dl g, gA yfdu ;fn ngt cMk dkj.k g rk nkvkck] fnYyh vkj pMhx< d mu bykdk e yMfd;k dh gR;k D;k dh tk jgh g ftldh vk; #i;k e ugh Mkyjk e gA D;k bu bykdk d ykx Hkh ngt ugh n ldr \ egxh f'k{kk ugh fnyok ldr \ 'kknh vkj fofHkUu vk;ktu ij [kp ugh dj ldr \ nljk rd Hkh bruk gh ctku yxrk gA cykRdkj vkj NMNkM dh ?kVuk; Hkyk dc ugh Fkh \ yMfd;k dk cjkcjh dk ntk dc Fkk vkj o lkekftd :Ik l Hkyk dc ljf{kr jgh g \

lpkb rk ;g g fd mÙkj if'pe Hkkjr d bl bykd e vkt Hkh efgykvk dk nk;e nt dk

ukxfjd ekuk tkrk gA lekt e mudk viuk dkb vfLrÙo ugh gA lkerh ;x e tgk ifjokj vkj lekt yMfd;k dk [kkuk&idkuk] lkQ&lQkb] flykb&d<kb tl ?kjy dkek d lkFk&lkFk vkKkdkjh] lgu'khy vkj yTtk'khy cuu d x.k fl[kkrk Fkk rkfd mud fookg e dkb fnDdr u vk; vkj o viuh xgLFkh dk vPNh rjg pyk ldA vkt Hkh ,d vPNh] lnj vkj l'khy yMdh cuu d ieku dkb [kkl ugh cny gA Qd flQ bruk g fd vc f'k{kk Hkh bu x.kk e tM x;h gA lekt e fdlh Hkh rjg dk fodkl L0kkHkkfod :Ik l dN phtk e cnyko ykrk gA mlh dk urhtk g fd vc yMfd;k dk u i<ku oky ifjokjk dk fiNMk gvk vkj ijkruiFkh le>k tku yxk g& [kklrkj l 'kgjk eA yMfd;k dh f'k{kk ifjokj dk LVVl flcy Hkh cu x;h gA [kn dk ixfr'khy fn[kku d fy, ifjokj d fy, vc ;g t:jh g fd o viuh yMdh dk cgrj f'k{kk fnyok;A ;g vk/kfudrk dh =klnh g fd vkt Hkh yMfd;k dk ;g lkpdj ugh i<k;k tk jgk g fd o i<&fy[kdj vkRefuHkj cu vkj [kn viu thou d Qly dj ldA

mnkjhdj.k dk reke leL;kvk d gy d :Ik e i'k dju oky bldk x.kxku djr g, vDlj dgr g fd mnkjhdj.k u efgykvk dk l'kDrhdj.k dju e cMk ;kxnku fn;k gA blu efgykvk dk i#"kk d cjkcj dke dju d volj fn; g] ftld dkj.k vkt efgyk; cM&cM ink ij ukdjh dj jgh gA ilk dek jgh gA

tulÙkk l lkHkkj

ckfydk Hk.k gR;kvk dk c<kok

ljdkjh LokLF; lok e'khujh vkj ik;oV Dyhfudk rFkk funku dnk dh lkB&xkB u ikdfrd L=h&i#"k vuikr dk xMcMk fn;k gA 'kgjh vkj xkeh.k bykdk e ik;oV funku dnk }kjk ljdkjh MkDVjk dk deh'ku fn;k tkrk g] tk ejhtk dk mud ikl fofHkUu ijh{k.kk d fy, Hktr gA

;g flyflyk uhp vkxuckMh dk;drkvk rd igp x;k gA ; dk;drk xHkorh efgykvk d ckj e ikFkfed LokLF; dnk dk lfpr djr gA ljdkjh MkDVj xHkorh efgykvk dk xHk e iy jg cPp d yMdk ;k yMdh gku dh tkp djku d fy, ik;oV uflx gke e Hkt nr gA ;g tkudkjh nu d fy, vkxuckMh dk;drkvk dk deh'ku d rkj ij ,d [kkl ifr'kr fn;k tkrk gA

xtjkr ljdkj u fyx ijh{k.kk dk jkdu d fy, ,d 0;kid dk;Øe 'k: fd;k gA mÙkj xtjkr d ftyk e [kkldj eglk.kk] xk/khuxj vkj vgenkckn l 150 lkukxkQh e'khu tCr dh x;h gA eglk.kk fty e Ng lky rd d cPPkk e fyx vuikr ?kVdj ifr gtkj 798 rd vk x;k gA

xkl:V l lkHkkj

efgykvk d LokLF; dk l/kkju dh t:jr

'kytk pnk

f'k{kk miyC/k djku d fy, m|kxifr;k vkj nkudrkvk u ge'kk fny [kkydj enn dh gA lekt dh >kyh e okil dN Mkyu dh –f"V l xjhc cPPkk dk f'kf{kr djuk lcl vf/kd lrk"ktud lkfcr gkrk gA bl chp ;g rF; vDlj utjvnkt gk tkrk g fd ek dk LokLF; mld xHk e iy jg cPPk dh 'kkjhfjd vkj ekufld fLFkfr vkj vrr# mld fodkl dk cgr gn rd iHkkfor djrk gA ;g mi{kk 'kk;n ekr vkj f'k'k eR; nj dh mi{kk l mith gA yfdu nkudrkvk dk vDlj ml dke d fy, r;kj dj ikuk lHko ugh gk ikrk g] ftldk Bkl urhtk mUg lkeu fn[kk;h u nA

LokLF; lDVj e /kkfed lLFkk;] Dyc] m|kxifr] lekt loh vkfn iYl ikfy;k vfHk;ku] jDrnku]

ekfr;kfcn d vkij'ku vkj dlj jkfx;k dh n[kHkky ij T;knk /;ku nr g] D;kfd bu ekeyk e o viu fd; dke vkj mld iHkko dh x.kuk dj ldr g vkj bl rjg mudk dke Li"V fn[krk gA ekr vkj f'k'k eR; nj e deh gkykfd lgL=kfCn fodkl y{;k e 'kkfey g ij fo'o vkfFkd Qkje vkj vU; ,l lEeyuk e Hkh bul cpk tkrk gA bl rjg ; ek= dkxth y{; cudj jg x; gA

Hkkjrh; fpfdRlk vul/kku ifj"kn u ik;k g fd f'k'k eR; d nk frgkb ekey tUe d ckn igy llrkg e gkr g vkj ble l Hkh nk frgkb tUe d ckn vxy nk fnuk eA ekr eR; nj d 45 ifr'kr ekey cPPk d tUe d nk fnu d Hkhrj gkr gA vxj ek thfor cp tkrh g rk vDlj igy l T;knk detkj gkdj fQj l xHkorh gku d [krj dk >yrh gA ;g pkdku okyh ckr g ij lp ;gh g fd ituu LokLF; l tM fo"k;k dk ifjokj d vnj dk lonu'khy fo"k; eku bl fLFkfr dk mlh :Ik e Lohdkj dju dh grk'kk gA

LoLFk ekrkvk lfgr yxHkx 15 ifr'kr efgyk; ,lh g] ftUg xHkorh gku d nkjku fdlh u fdlh rjg dh tfVyrk dk lkeuk djuk iMrk gA [ku dh deh okyh efgykvk e ;g vuikr dgh T;knk gA jk"Vh; ifjokj LokLF; lo{k.k d vulkj 95 ifr'kr fd'kkfj;k vkj 52 ifr'kr fookfgr efgyk; [ku dh deh l ihfMr gA bu efgykvk d fy, vkirdkyhu LokLF; lok; vklikl miyC/k ugh gA vxj Hkkjr dk lgh ek;u e vkx c<uk g rk cPpk d fodkl d fy, ekr eR; &nj dk de djuk gkxkA

vDlj enn dju okyk dk irk ugh gkrk fd enn dl dh tk;A ;g r; dku djxk fd ik"k.k vkj LoPN i;ty e l fdldh T;knk t:jr g \ cPPk d fodkl l igy ek d LokLF; dh vkj /;ku nuk gkxkA ;k fQj cPPkk d LokLF; dh n[kj[k] ik"k.k] Vhdkdj.k ikFkfedrk gA vFkok cPPkk dh f'k{kk ij tkj nuk ikFkfedrk gA f'k'kvk e fyx vuikr e c<rh vlekurk vkj ckfydk f'k'k dh mi{kk dk ydj D;k djuk gkxk \ bu lokyk dk mÙkj << ikuk viu vki e vklku ugh ij ;gh viu vki e pukrh Hkh gA

bl lnHk e rktk jk"Vh; ifjokj LokLF; lo{k.k & rhu d ifj.kke vk'kktud gA nk jkT;& egkjk"V vkj itkc Øe'kh 21 vkj 2 dh nj l f'k'k tUe nj dk ifrLFkkiu d Lrj ij y vk; gA vc 11 jkT; vkj dn 'kkflr in'k bl J.kh e 'kkfey gk pd g vkj mMhlk rFkk xtjkr Hkh bl y{; d cgr djhc gA yfdu cPPkk d ink gku dh nj de dju e vHkh db jkT;k dk yck le; yxu okyk gA

lpuk ik|kfxdh dk i;kx dj efgykvk d LokLF; Lrj dk l/kkjk tk ldrk gA bld fy, lenk;k l tM vkdM vkj ic/ku lpuk i.kkyh dh t:jr g] tk dk;kRed LokLF; l tM ldrdk ij 24 ?kV utj j[k ldA tjk lkfp; ;fn vk/kh jkr dk L=h&jkx] xHkikr] cPPk d tUe d fy, mi;Dr LFkku lc/kh tkudkjh miyC/k gku yx rk bldk D;k iHkko gk ldrk gA dky lVjk dh enn l ;g lc lHko gA ejhtk dk MkVkcl vkj MkDVjk l mud mipkj d fy, lid LFkkfir djuk mruk ef'dy ugh ftruk irhr gkrk gA dN LFkkuk ij VDlh vkj frifg;k Bd ij vkikrdkyhu ifjogu dh lfo/kk miyC/k djok jg gA ,l i;klk dk db xuk c<ku dh vko';drk gA

ljf{kr ekrÙo d fy, i#"kk dh ekufldrk e cnyko dh Hkh vko';drk gA ukdjh nu oky vxj vf'kf{kr i#"kk l mud ?kj] efgykvk vkj cPPkk d LokLF; vkfn d ckj e jktxkj nu l igy FkkMh lh tkudkjh iklr dju dk i;kl dj rk jktxkj iklr dju d fy, vk; ykxk dh ekufldrk e viu vki gh cnyko vku yxxkA ;g cnyko ljdkjh r= }kjk yxk; x; cnyko l dgh T;knk iHkkoh Hkh gkxk vkj rt HkhA

vxj jktxkj miyC/k djoku oky viu depkfj;k] forjdk] vkifrdrkvk] lijokbtjk dk viu ifjokj d LokLF; d ckj e lonu'khy cuk ik; rk bll egÙoi.k cnyko gk ldrk gA ISO iek.k i= d lkFk LokLF; d ckj e tkx:d diuh dk ijLdkj Hkh D;k u fn;k tk;\ ,lk iek.k i= D;k ugh fey tk ykxk dh okLrfod ftnxh e ifjoru dj ik;\ ,lh igy D;k u gk tk nljk dk jkg fn[kk;A

xkl:V] ik;kfu;j l lkHkkj

tMj uVod % rhljk pj.k

bVju'kuy MoyieV fjlp lVj d vkfFkd lg;kx vkj bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV d l;ktu e py jgk jhtuy tMj uVod iktDV vc lekflr dh vkj gA bl ;ktuk d vrxr vHkh rd ikoVh ,M tMj(vkb-lh-Vh-,M tMj(tMj Vfux ,M tMj ekMfyx(xkFk]bU,fDofyVh ,M tMj fo"k;k ij v/;;u g, gA v/;;u d lekiu ij *,fuxek vkQ djy oheu % fn QhYM ikekbt vkQ fyVlh* uked iLrd idkf'kr dh tk jgh gA bldk liknu ikQlj Loluk e[kkik/;k; u fd;k gA bl iLrd e lkekftd foKku d {k= e v/;;ujr 'kk/kdrkvk }kjk djy e tMj lc/kk d fofHkUUk i{kk ij fd; x; v/;;uk dk iLrr fd;k x;k gA bl iLrd dk igyk v/;k; 0;fDrxr Lrj ij fd; x; v?;;uk dk ifjp; nrk gA iLrd d 'k"k v/;k;k e djy dh efgykvk dh leL;kvk dk l;Dr :lk l [kktu dk i;kl fd;k x;k gA

?kj[kkrk dkexkj % dl LVMh

Vkb-,l-,l-Vh- gkeuV bfM;k vkj ;fuQe] ub fnYyh d fy, Hkkjr d dN fgLlk e ?kjy dkexkjk ij dN dl LVMh dj jgh gA bl v/;;u dk ml'; g & dN pu g, m|kxk dh fLFkfr] bu m|kxk e dk;jr dkexkjk dk fdl rjg dh lkekftd vkj vkfFkd vlj{kk dk lkeuk djuk iMrk bl lcdh tkudkjh ,d= djukA

vkb-,l-,l-Vh- ;g v/;;u ?kjy dkexkjk d lkFk tM LFkkuh; lxBuk d lkFk dj jgk gA bl v/;;u d fy, mÙkj in'k] itkc vkj fcgkj jkT; pu x; gA vkb-,l-,l-Vh-d 'kk/kdrkvk u y[kuÅ e feBkb d fMCc] jkeij e ,flyd od] cjyh e tjh&tjnkth] leLrhij e chMh] iVuk e eky] ckljh vkj pliy rFkk ifV;kyk e d'khnkdkjh d ckj e tkudkjh bdVBh dj yh gA bl v/;;u dk ,d fgLlk tkudkjh dk ipkj&ilkj Hkh gA vr% bu m|kxk vkj bue dk;jr efgykvk d ckj e ,d MkD;eVjh fQYe Hkh r;kj dh tk jgh gA

jk"Vh; xkeh.k jktxkj dkuu vkj Ekfgyk;

Vkb-,l-,l-Vh-u fiNy fnuk vrjk"Vh; Je lxBu d fy, mijkDr fo"k; ij ,d v/;;u fd;k FkkA bl v/;;u dk e[; mí'; Fkk jk"Vh; xkeh.k jktxkj dkuu e efgykvk dh Hkkxhnkjh vkj LFkkuh; xkeh.k vFk0;oLFkk dk etcr dju d fy, ikdfrd llk/kuk]link dk etcr dju d ifji{; e bl dk;Øe dk fo'y"k.k djukA vc blh Øe e vkb-,l-,l-Vh-u vrjk"Vh; Je lxBu dk dN pu g, {k=k e jktxkj dkuu dh ixfr ij /;ku j[ku dk iLrko fn;k gA ,d o"k rd pyu oky bl dke l LFkkuh; jktxkj dkuu dk fodkl] dke vkj ioklu l ikjLifjd rkyey [kkldj] tMj d lc/k e le>u dk ekdk feyxkA ;g v/;;u jktLFkku vkj mMhlk jkT; d ,d&,d ftyk d de l de 6 xkok e fd;k tk;xkA

bl dk;Øe l efgykvk ij iMu oky vlj dk rduhdh vkj uhfrxr i{k e ckVk tk ldrk gA rduhdh i{k e etnjh] i#"kk dk nh tku okyh etnjh e lekurk] dke dh txg ij ikyuk?kj] ikFkfed mipkj] ikuh] Nk;k vkfn dh lfo/kk] bl ckr dk lfuf'pr djuk fd efgyk; [kn gh viuh etnjh yrh g] dke dk vudy le; tlh ckrk dk 'kkfey fd;k x;k gA bu lc ckrk dk /;ku e j[kr g, bl dk;Øe d lQyrkiod fØ;kUo;u dk ,d fn'kk feyxh vkj fujh{k.k rFkk lkekftd vd{k.k d fy, mi;DRk rjhdk [kktk tk ldxkA

;g v/;;u leg ppk] ljdkjh vf/kdkfj;k] ipk;r lnL;k l ckrphr ij vk/kkfjr gkxkA dke dh txg dh fLFkfr vkj ykxk l ckrphr Hkh bl v/;;u dk dn gkxhA ekg e ,d fuf'pr rkjh[k dk ,d NkVh&lh i'ukoyh Hkjh tk;xhA

iLrkfor v/;;u dk nljk i{k g LFkkuh; lLFkkvk d lg;kx l dk;'kkykvk vkj ppkvk d ek/;e l ;kX;rk fuek.kA bu xkf"B;k vkj dk;'kkykvk dk mÌ'; g LFkkuh; Lrj ij [kkldj efgykvk e fu.k; yu dh {kerk fodkl e lg;kx vkj lkenkf;d lxBuk dk etcr djukA

iLrkfor v/;;u d rhlj i{k e LFkkuh; vFk0;oLFkk ij jk"Vh; xkeh.k jktxkj dkuu d vlj dk fo'y"k.k fd;k tk;xkA bl fo'y"k.k e LFkkuh; vkfFkd fodkl] ioklu] dk'ky] efgyk fodkl] LokLF;] lj{kk rFkk vU; lEEkkfur jktxkj vkfn dk Hkh 'kkfey fd;k tk;xkA
bl fo'y"k.k d fy, p;fur xko e 50 ?kjk dk dke vkj ioklu dk dn e j[kdj l?ku lo fd;k tk;xkA bl lo e ioklu d lc/k e& ioklu dk idkj] ioklu dju oky] ioklu dk LFkku] ioklu dk le;] ioklu dh 'kr] 0;fDrxr ;k lkefgd ioklu vkfn tkudkjh bdVBh dh tk;xhA jktxkj xkjVh dkuu dk efgyk] i#"k vkj ifjokj ij RkkRdkfyd iHkko vkj vuekfur nh?kdkyhu vlj dk voykdu fd;k tk;xkA ;fn ioklu e deh vk;h g ;k #dk g] rk bld D;k dkj.k g vkj bl lce lkenkf;d lxBuk dh D;k Hkfedk jgh g] bl le>u dh dkf'k'k dh tk;xhA ;fn ioklu ugh #dk g] rk bld dkj.kk dk le>u dk i;Ru fd;k tk;xkA bl v/;;u d nkjku vuHko LFkkuh; vFk0;oLFkk e vk; vU; cnykok vkj lEekfur dke d vU; igyvk dk Hkh v/;;u e 'kkfey fd;k tk;xkA

bl ikfjokfjd lo e efgykvk d itUku LokLF; vkj orfud dke e efgykvk dh c<rh Hkkxhnkjh tlh tkudkjh dk Hkh ,d= fd;k tk;xkA

vkb-,l-,l-Vh- ;g v/;;u pu g, ftyk e LFkkuh; lxBuk d lg;kx l djxkA

LVi dk;Øe % eY;kdu

bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV dk fiNy fnuk Hkkjr ljdkj d efgyk vkj cky fodkl foHkkx }kjk jk"Vh; Lrj ij 'k: fd; x; LVi dk;Øe d eY;kdu dk dke lkik x;k gA bld vykok cky fodkl foHkkx u dukVd e lk'kikyu {k= e cdjh ikyu vkj fnYyh e fcLukyh lokn; xkek|kx lLFkku }kjk lpkfyr gLrdj?kk m|kx d eY;kdu dh ftEenkjh Hkh vkb-,l-,l-Vh- dk nh gA

fnYyh e fcLukyh lokn; xkek|kx lLFkk ij fd; x; eY;kdu dk dke ijk gk x;k gA v/;;u d fu"d"k dh lf{kIr tkudkjh ;gk iLrr gA blh d lkFk LVi ;ktuk d jk"Vh; eY;kdu ij gk jg v/;;u dh ixfr d ckj e Hkh lf{kIr tkudkjh bl vd e nh tk jgh gA

fcLukyh lokn; xkek|kx lLFkku
;g eY;kdu vf/kdkfj;k] if'k{kd vkj ykHkkfFk;k l gb ckrphr ij vk/kkfjr gA ;ktuk nLrkot d vulkj ;gk ij ikp dn dk;jr gA yfdu txg dh fnDdr d dkj.k fpjkx fnYyh dn dk cn djuk iMkA

ykHkkfFk;k d ?kj d ir ugh fey iku d dkj.k doy dn e vku oky ykHkkfFk;k l gh ckrphr gk ldhA ljy i'ukoyh d ek/;e l if'k{kkfFk;k l if'k{k.k d ckj e tkudkjh bdVBh dh x;hA bl tkudkjh e if'k{k.k d fy, dku vkrk g vkj D;k] bl if'k{k.k l o D;k mEehn djrh g\ if'k{k.k dh fo"k; oLr D;k Fkh] if'k{k.k e fgLlk yu d fy, fdl rjg dh ifØ;k viuk;h tkrh g] if'k{kkfFk;k dk dPPk eky ;k nljh fdl rjg dh lfo/kk; nh tkrh g vkfn ckrk dk 'kkfey fd;k x;k gA

enuxhj] lxe fogkj] nf{k.kijh] noyh d pkj dnk e 52 if'k{kkfFk;k dk lo fd;k x;kA

v/;;u fu"d"k

if'k{kkfFk;k dh me % if'k{kkfFk;k e yxHkx 88 ifr'kr Øe'kh 12 l 16 vkj 17 l 21 o"k dh vk; leg d ik; x;A 'k"k 12 ifr'kr dh me 20 o"k l Åij FkhA bll ;g le> e vkrk g fd bl ;ktuk e fd'kkfj;k dh l[;k T;knk gA budh me bl xfrfof/k dk vkenuh dk e[; ek/;e le>u d fy, ifjiDo ugh g vkj o viu Hkkoh thou d ckj e fu.k; yu e Hkh vleFk gA vr% if'k{kkfFk;k dk ;g puko LVi dk;Øe dh igyh 'kr fu/ku ifjokj dh efgykvk dh vkenuh d fy, if'k{k.k nu dh 'kr d foijhr gA fd'kkfj;k dk ;g if'k{k.k [kkyh le; e dN mi;kxh dke dk ekdk rk nrk g] yfdu ,dek= if'k{k.k l mUg m|eh ugh cuk nrkA ;ok ox d fy, vk; miktu d fy, d'kyrk c<ku d fy, vU; fodYi Hkh miyC/k gA LVi dk;Øe e [kkldj] ikjifjd {k= e vku okyh xfrfof/k;k d if'k{k.k dk tkMk FkkA ;g if'k{k.k mu efgykvk d fy, Fkk] ftud ikl vU; dkb fodYi ugh gA o bl if'k{k.k dk viuh vkenuh dk ek/;e cuk ldA

;gk ie[k :Ik l dfVx vkj flykb dk if'k{k.k fn;k tkrk gA bld vykok ekrh vkfn yxku dk dke Hkh fl[kk;k tkrk gA

dPpk eky % dPPk eky d fy, Ik;kIr ctV gku ij Hkh if'k{kkfFk;k dk e'khu vkj ,Eck;Mjh Ýe d vykok fdlh rjg dk dPPkk eky ugh fn;k tkrk gA ;g Hkh irk pyk fd dPPkk eky ugh [kjhn ldu d dkj.k dN ykxk u FkkM le; d fy, ;k chp e gh if'k{k.k NkM fn;kA

Nk=ofÙk % ;ktuk lpkydk d lkFk gb ckrphr vkj lo d urhtk l ;g ckr Hkh lkeu vk;h fd Nk=ofÙk dk ilk gku ij Hkh if'k{kkfFk;k dk Nk=ofÙk ugh nh x;hA dn e miyC/k e'khuk vkj dkxt e fy[kh e'khuk dh l[;k e Hkh vrj ik;k x;kA

ikB;Øe % nf{k.kijh] noyh vkj enuxhj d ikB;Øe e lekurk ik;h x;h] yfdu lxe fogkj dn dk ikB;Øe dN fHkUUk FkkA ;gk ij dykRed oLrvk d mRiknu ij T;knk tkj fn[kkA

if'k{k.k lfo/kk; % nf{k.kijh dn dk NkMdj vU; rhuk dnk e ihu dk ikuh] i[kk] dyj] LFkku vkfn dh deh ik;h x;hA

Lo; lgk;rk leg % 37 ifr'kr if'k{kkfFk;k u crk;k fd Lo; lgk;rk leg dh lnL;rk d fy, mUgku ipkl #i; nuk 'k: fd;k gA ;g jkf'k cd e tek Hkh gk x;h gA yfdu il d vHkko e o fu;fer :Ik l ilk tek ugh dj ikrh gA fQj mUg Lo; lgk;rk leg bd ckj e dkb Bhd tkudkjh Hkh ugh gA

efgyk jktxkj vkj if'k{k.k dk;Øe % ,d eY;kdu

Ik"Vh; Lrj ij 'k: fd; x; *LVi* ¼likV V Vfux ,M ,Elyk;eV ikxke½ dk;Øe d eY;kdu dk y{; g n'k d fofHkUUk jkT;k e fHkUUk&fHkUUk xfrfof/k;k d ek/;e l py jg ; dk;Øe efgykvk e tkx:drk yku d viu y{; e fdru lQy gk ik; g] bldh leh{kk djuk vkj bl dk;Øe d okLrfod mÌ'; vkj dke dju d rjhd e ;fn dkb ifjoru dju dh t:jr g] rk l>ko nukA

efgyk vkj cky fodkl foHkkx l fey *LVi* ;ktuk d vrxr py jg dk;Øek d vulkj dy vunku dk 70 ifr'kr fgLlk M;jh d fy, fn;k x;k gA 'k"k jkf'k gLrdyk] ljhdYpj vkj lk'kikyu d {k= e inku dh x;h gA mÙkj in'k dk M;jh] gkFkdj?kk] gLrf'kYi] ljhdYpj(dukVd dk ouk"kf/k] lk'kikyu] M;jh vkj tV(egkjk"V dk M;jh] e'k:e] exhikyu(jktLFkku dk M;jh] gkFkdj?kk(mÙkjkpy dk M;jh] gkFkdj?kk(vk/k in'k dk M;jh] gkFkdj?kk] e'k:e vkj if'pe cxky dk M;jh rFkk lk'kikyu d fy, ;g vunku fn;k x;kA

fofHkUu jkT;k e fHkUu&fHkUu xfrfof/k;k d lkFk py jg dk;Øek dh tkudkjh yu d fy, fuEufyf[kr jkT;k dk ueu d fy, puk x;k gA ; jkT; g & mÙkj in'k vkj mÙkjkpy ¼mÙkj½(dukVd vkj vk/k in'k ¼nf{k.k½(egkjk"V ¼if'pe½ vkj if'pe cxky ¼io½ bld vykok n'k d mÙkj&ioh jkT;k dh fLFkfr ;fn cgr fHkUu gb] rk ukxkyM ;k f=ijk dk Hkh bl v/;;u e 'kkfey fd;k tk;xkA

e=ky; dk nh x;h eY;kdu fjikV] pkjk jkT;k e p;fur ;ktukvk dk {kf=; nkjk] ;ktuk vf/kdkfj;k rFkk ykHkkfFk;k l ckrphr dk vk/kkj cukdj ;g eY;kdu fd;k tk;xkA A bl ;ktuk l ftudk lh/kk lc/k ugh g tl ¼ ipk;r lnL;] ie[k ljdkjh vf/kdkjh] efgyk lxBuk l Hkh ppk dh tk;xhA bl ckrphr l mHkjdj vk; mu egÙoi.k fopkjk dk Hkh lxfgr fd;k tk;xk] ftul efgykvk e tkx:drk yku d mÌ'; l pyk; tk jg bu dk;Øek dk fn'kk feyA

fnYyh e dkedkth efgykvk dh dke e Hkkxhnkjh

Vkb-,l-,l-Vh- vrjk"Vh; Je lxBu d lkFk feydj fnYyh e efgykvk d dkedkt e Hkkxhnkjh dk ydj dN u;k v/;;u dj jgk gA gekj bl v/;;u d fu"d"k vkb-,y-vk- d ,d idk'ku e efgykvk d dkedkt dh fLFkfr vkj jktxkj ij idk'k MkyxA Hkkjr d ckj e vDlj ;g dgk tkrk g fd ;g ,d ,lk n'k g] ftle cgr de l[;k e efgyk; dke dju d fy, vkdf"kr gkrh gA ;g v/;;u ge fnYyh dh lhekvk e jgr g, bl igyh dk ly>ku e enn nxk fd vkf[kj Hkyk D;k fnYyh e bruh de l[;k e efgyk;] jktxkj iku d fy, ckgj l vkrh gA

cLrh fodkl dk;Øe

bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV lu 2000 l ioh fnYyh dh nk cfLr;k& lkfu;k di] ug: di e dke dj jgh gA fd'kkj cPPkk d 0;fDrÙo fodkl] mUg ,d LoLFk lkekftd okrkoj.k nuk] efgykvk d LokLF; ,o cPPkk dk mfpr fodkl vkfn e[; y{; jg gA cLrh d ykxk dh cfu;knh leL;kvk dk le>uk rFkk mud lek/kku d fy, mUkdk vkRefuHkj cukuk Hkh gekj y{;k e 'kkfey gA

vkb-,l-,l-Vh-u xfrfof/k;k d lkFk {k= dk Hkh foLrkj fd;k gA tykb 2006 l ioh fnYyh dh gh ,d vU; cLrh dY;k.kijh e Hkh dke dh 'k#vkr dh gA bl dn e vukipkfjd f'k{kk] lpuk d vf/kdkj vfHk;ku vkj dEl;Vj if'k{k.k fn;k tkrk gA

fd'kkj o; d yMd&yMfd;k dk ,d leg cuk;k x;k gA ;g leg ekg e ,d ckj fofHkUu fo"k;k ij ppk djrk gA fiNy fnuk ;odk d Hkkoh thou d fodYik] lekt e Qyrk Hk"Vkpkj] f'k{kk rFkk ihl vkj gkjeuh ij ppk gbA xk/kh 'kkfr ifr"Bku e dk;jr Jh je'k 'kekU *ihl vkj gkjeuh* ij ijLij fopkjk dk vknku&inku fd;kA

vkb-,l-,l-Vh-] vij xkmM ¶ykj] dkj 6&,] bfM;k gfcVV lVj] yk/kh jkM] ub fnYyh&110003 }kjk
idkf'krA l;ktu ¼etJh feJA lkt&lTtk ¼fo'kky dekj xk;yA b&ey ¼isstdel@isst-india.org
oclkbV ¼www.isst-india.org Qku ¼91&11&24647873

ISST

bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV Lkekpkj if=dk

;g vd

o"k 13] vd 4

vDVcj&fnlcj 2006

pyxk ugh pyxk
lxhrk egknk.kh

bfM;u lk'ky Qkje % tk'khyh vkokt] BMk mRlkg
iHkkr >k

;gk efgykvk dk dke ugh fn;k tkrk
Jhyrk euu

mÙkj jyo e igyh efgyk Mk;oj

vU; lekpkj

efgykvk dk ?kjy fglk l lj{kk fnykus d fy, fiNy fnuk ,d fcy ikl gvk gA ;g fcy g % ikVD'ku vkQ oeu Ýke MkefLVd ok;yl ,DV 2005A efgykvk d f[kykQ ?kjy fglk ij dk;okgh d fy, gh lljdkj dh vkj l Økbe vxLV oheu ly] fnYyh efgyk vk;kx vkj jk"Vh; efgyk vk;kx dh LFkkiuk dh x;hA yfdu blls efgykvk d lkFk gku oky ?kjy vR;kpkjk e dkb deh ugh vk;h gA

fuf'pr gh ;g dkuu ?kjy fglk dh jkdFkke d fy, ,d lkFkd dne gA yfdu dkuu dh dk;kUo;u l lcf/kr pukfr;k dk le> fcuk dkb Hkh dkuu iHkko'kkyh ugh gk ldrkA
bl dkuu dh tkudkjh n jgh g &lxhrk egknk.khA

9 l 13 uocj 2006 dk fnYyh d tokgj yky ug: LVfM;e e bfM;u lk'ky Qkje dk vk;ktu gvkA oYM lk'ky Qkje }kjk vk;kftr bfM;k lk'ky Qkje dk ;g rhljk vk;ktu FkkA bldk fo"k; Fkk % *odfYid nfu;k dk fuek.k] Hkfo"; dh –f"V*A bl vk;ktu dh >yd n jg g & iHkkr >kA

bld lkFk gh vkb-,l-,l-Vh- e py jg fofHkUu dk;Øek dh tkudkjh Hkh ;gk iLrr gA

---

doy futh forj.k d fy,

Pkyxk] ugh pyxk

Lkxhrk egknk.kh

VKf[kjdkj ikVD'ku vkQ oeu Ýke MkefLVd ok;yl ,DV 2005 ikl gk gh x;kA bl fcy d ikl gku l efgyk; ?kj dh pkjnhokjh e [kn dk ljf{kr egll dj ldrh gA vc fdlh Hkh idkj d 'kkjhfjd] ekufld ;k ;ku vR;kpkj gku ij efgyk; bl dkuu d vrxr ifr ;k lcf/kr fdlh Hkh 0;fDr dk ty fHktok ldrh gA bl dkuu d vrxr ifyl dk ekeyk nt dju d fy, ihfMrk dk c;ku gh lk;klr gA

Hkkjr e ?kjy fglk dh jkdFkke d fy, fdlh dkuu dh t:jr rk Fkh gh] D;kfd u'kuy Økbe fjdkM C;jk d vulkj Hkkjr e 40 ifr'kr d djhc efgyk; ?kjy fglk dh f'kdkj gA ol rk vkbihlh dh /kkjk 498&, d vrxr efgykvk d fy, ;g iko/kku g fd og ifyl LV'ku e ifr d f[kykQ fjikV nt dj ldrh g] yfdu bl u; dkuu e ekjihV] ngt gR;k d vykok fglk d vU; idkjk dk Hkh 'kkfey fd;k x;k gA iRuh dk viekutud rjhd l lckf/kr djuk] cVk ugh gku ij rku dluk] iRuh dh bPNk d fo#) v'yhy fp= ;k fQYe fn[kkuk] [kp d fy, il u nuk tl db enn vc dkuu d nk;j e vk jg gA

jk"Vh; efgyk vk;kx dh lnL;k ekfyuh HkVVkpk;k dk dguk g fd bl dkuu dk lcl ikftfVo ikbV ;g g fd bld nk;j e ifr&iRuh d lkFk&lkFk L=h &i#"k d chp d lkj lc/k vkr gA ;kfu cVh Hkh pkg rk viu ekrk&firk d f[kykQ T;knrh dh f'kdk;r dj ldrh gA

ekfyuh u crk;k fd bl dkuu e igyh ckj efgykvk d ookfgd nt dk egÙo fn;k x;k g] ;kfu viu ifr d f[kykQ f'kdk;r nt dju d ckn Hkh og ij gd d lkFk viu ?kj e jg ldrh gA ml ml ?kj l dkb ugh fudky ldrk] cfYd vxj dkV dk yxrk g rk og ifr dk gh ?kj NkMu dk vkn'k n ldrh gA vk;kx dk ekuuk g fd efgykvk dk pkjnhokjh e jgu dk vf/kdkj nuk bl dkuu dk lcl etcr i{k g] D;kfd vHkh rd efgyk; ?kj d fudky tku d Mj l gh T;knfr;k dh f'kdk;r ugh dj ikrh gA ekfyuh d vulkj bl u; dkuu dk ,d vkj etcr i{k g& bldk flfoy yk gkukA pfd 498¼,½ fØfeuy yk g] blhfy, mle dkmlfyx vkj ckrphr dk iko/kku ugh gA nljh vkj u;k dkuu flfoy yk g vkj mle dkmlfyx d fy, lk;klr le; j[kk x;k gA

fnYyh gkbdkV dh odhy nhik xlrk ekurh g fd bl u; dkuu d nkuk igy gA ldkjkRed rk ;g fd bl dkuu u efgykvk dk fo'k"k ntk fnyk;k gA efgyk; dkb dekfMVh ugh] ftl tl eth pkgk bLreky dj fy;kA ekj&ihV ij og vc fojk/k dj ldrh g vkj bld fy, ml igy dh rjg ifyl LV'kuk d pDdj ugh dkVu iMx ;k ifyl d vkx ,Qvkbvkj d fy, tyhy ugh gkuk iMxkA og lh/k tkdj viuh f'kdk;r nt djk ldrh gA vxj te lkfcr gk x;k rk lcf/kr 0;fDr dk 20 gtkj #i; tekuk ;k ,d lky dh ty ;k nkuk gk ldr gA bl dkuu dh ,d [kkfl;r ;g Hkh g fd ;g fyobu fjy'kl dk Hkh viu nk;j e yrk g vkj bu fyobu ikVuj dk Hkh o lkj vf/kdkj nrk g] tk iRuh d gkr gA

nljh vkj bl dkuu dh lcl cMh deh ;g g fd efgyk; bldk xyr Qk;nk mBku dh dkf'k'k dj ldrh gA o flQ Cydey dju d fy, Hkh viu ikVuj ij dkb vkjki yxk ldrh gA nhik dgrh g] *ej fglkc l bl yk e ,d Dykt vkj tMuk pkfg, Fkk vkj og ;g fd vxj dkV e ;g lkfcr gk tk; fd fdlh efgyk u vxj xyr dl nk;j fd;k g] rk ml ltk feyuk pkfg,A rHkh bl dkuu dh fo'oluh;rk c<xhA*

; vVdy yxk;h tk jgh g fd bl dkuu dk tedj n#i;kx gkxkA bldh Mkf¶Vx e vHkh db detkfj;k g] ftldk n#i;kx gk ldrk gA gkbdkV d odhy fodkl vxoky Hkh bl ckr l bUdkj ugh djr g fd bl dkuu dk n#i;kx Hkh gk ldrk gA t:jh ugh fd gj ckj yMdh lgh gk] ij dkuuu ltk yMd dk gh feyxhA gkykfd o ;g ekur g fd n#i;kx rk vkbihlh 498&, dk Hkh tedj gk jgk g] yfdu bldk vFk ;g ugh fd

dkuu cuu cn gk tk;A fodkl dk dguk g fd bld vrxr vku oky dl d fuiVkj d fy, ljdkj dk vyx Qkje cukuk pkfg,] ugh rk vke dkV e ; dl [kk tk;xA vyx dkV cuku dk Qk;nk rHkh gkxk] tc lk;klr l[;k e dl v jg gkA bld fy, lcl t:jh g efgykvk e bl dkuu d ckj e tkudkjh c< vkj mUg bruh lj{kk ikIr gk fd o fuMj gkdj dl Qkby dj ldA

,l leFkuk d foijhr dN eukoKkfud vkj eukfpfdRld dk dguk g fd bl dkuu dk dkb vkfpR; ugh gA eukfpfdRld MkDVj jkt'k ukxiky dgr g fd bl rjg d dkuu cuku l efgykvk dk dkb jkgr ugh feyu okyh gA tc ifr&iRuh dk fj'rk ?kj dh ngjh yk?kdj ifyl LV'ku ;k dkV&dpgjh rd igprk g] rk fQj mldh fo'oluh;rk [kk tkrh gA vHkh Hkh gekjk lk'ky LVDpj ,lk g] tgk efgykvk dk ifyl LV'ku tkuk xokjk ugh gA og ekur g fd ifr&iRuh d fj'r e FkM ikVh bVjo'ku ugh gkuk pkfg,A ,l dkuu if'peh lekt e gh Bhd yxr g] tgk fjy'kl dh dkb oY; ugh gkrhA bl dkuu l flQ odhyk dk Qk;nk gkxk] D;kfd mud dlk dh l[;k c<xh vkj ifyl dk dke c<xkA

eukfpfdRld iNr g fd ifr vxj iRuh dk ikukxkQh fn[kkrk g] rk ml Økbe dl ekuk tk ldrk g \ furkr ,dkr e ifr&iRuh d chp lDl tl lonu'khy fo"k; ij D;k gvk] vkj tk gvk] og Bhd Fkk ;k xyr] dkV bl dl ij[kxk \ lDlykftLV rk ekur g fd ifr&iRuh dk db ckj viuh lDlvy ykbQ dk fjokbo dju d fy, ikukxkQh dk lgkjk yuk iMrk gA ,l e bl dkuu d nk;j e dl ck/kk tk ldrk gA

nhik dk dguk g fd vxj iRuh lDl lc/kk dk ydj viu ifr dh f'kdk;r djrh g] rk bldk eryc gh g fd ifr&iRuh d chp lkekU; lc/k ugh gA nljh vkj] fodkl dk ekuuk g fd efgykvk d lkFk fdlh rjg dh tcjnLrh tk;t ugh] yfdu loky g fd dkV e bl idkj dh tcjnLrh d D;k lcr gkx \ D;k ihfMrk dk c;ku gh dkQh gkxk \

,d e[; loky ;g Hkh g fd bl rjg d dkuu dh lQyrk dh xkjVh D;k g \ 'kknh tlh lLFkk e fo'oLkuh;rk dk lokifj ekuk tkrk g] rk D;k efgyk; ?kj dh ngjh yk?kdj ifyl LV'ku tk ldrh g \ fodkl ekur g fd vHkh efgykvk e bruh tkx:drk ugh vk;h g vkj u mue fgEer gh gA ;g ftEenkjh lofPNd lLFkkvk dh g fd o xkl:V Lrj rd bl dkuu dh tkudkjh igpk; vkj efgykvk dk tkx:d djA

uoHkkjr VkbEl l lkHkkj

bfM;u lk'ky Qkje % tk'khyh vkokt] BMk mRlkg

iHkkr >k

9 l 13 uocj rd pyu oky bfM;u lk'ky Qkje dh '#vkr fnYyh d tokgj yky ug: LVfM;e e dkQh vkd"kd vkj jxkjx dk;Øe l gbA Hkkjr d fofHkUu {k=k l vk; lkekftd dk;drk viu&viu ikjifjd uR;k vkj xk;u d ek/;e l viu mRlkg vkj mex dk 0;Dr dj jg FkA bl ckj lk'ky Qkje d vk;ktu dk fo"k; Fkk] *odfYid nfu;k dk fuek.k Hkfo"; dh –f"V*A bl fo"k; d ek/;e l Hkkjr] ,f'k;k vkj vÝhdk dh turk d fy, ,d vyx Hkfo"; dh ;ktuk dh ckr dh x;h gA eyk LFky ij vud LVky yx g, FkA bu LVkyk ij dgh fdrkc fcd jgh Fkh rk dgh dykdfr;kA lcl vf/kd HkhM [kku&iku oky LVkyk ij fn[kk;h iM jgh FkhA

oYM lk'ky Qkje }kjk vk;kftr *bfM;k lk'ky Qkje* rhljk vk;ktu FkkA bll igy ,f'k;u lk'ky Qkje dk vk;ktu 2003 gnjkckn e vkj 2004 e oYM lk'ky Qkje dk vk;ktu ecb e gvk FkkA
bl ckj vk;ktu dk dn fcn xjhch] v/kfo'okl] :f<okn] uo&mnkjoknh HkeMyhdj.k] lU; 'kfDr ij tkj] vyxkooknh jktuhfr] tkfrokn d f[kykQ ,dtV gkdj cgrj nfu;k dk fuek.k FkkA

db ifl) fon'kh lkekftd dk;drkvk u Hkh bl vk;ktu e viu fopkj j[k] ftue dhfu;k dh okgdkjk] byhu dÙkc ie[k oDrk FkhA lekjkg d nlj fnu dU;k _.k jkgr uVod dh fun'kd vkj oYM lk'ky Qkje dh l;Dr fun'kd dkjk u vefjdk dh vkykpuk djr g, dgk fd mldh vkfFkd lkekT;okn dh otg l gh ijh nfu;k e ujlgkj gk jgk gA 0;fDr;k dk ith dk ykyp ndj mUg 0;fDrxr bdkb e ckVk tk jgk g] ftll o;fDrd lid VV jg gA mUgku ,lh vFk0;oLFkk dk leFku nu dk fopkj fd;k tk leku forj.k ij vk/kkfjr gkA uenk cpkvk vknkyu l tMh e/kk ikVdj u lkQ rkj ij dgk fd vknkyu e xgjh 0;kidrk t:jh gkrh gA bld fy, lrr i;kl fd; tk jg gA mUgku cLrh dk xko rd c<ku vkj [krh dk m|kx l tkMu dk fojk/k djr g, dgk fd vxj ;g lc cn ugh fd;k x;k rk ykxk dk vku oky le; e iM ij jguk iMxkA

bfM;k ,Q Mh vkb okp lLFkk u lEeyu d rhlj fnu ?kk"k.kk dh fd [knjk dkjkckj ij dCtk dju dh iofÙk dk vc fojk/k fd;k tk;xkA okyekV tlh ndkuk dh J[kyk d fojk/k e vknkyu pyku oky vkj ,lhvkj,u lLFkk d v/;{k okM jkrd u dgk fd ;g ipkj Bhd ugh g fd bu cMh pu J[kykvk d [kyu l jktxkj d dkQh volj [kyxA mUgku vefjdk dk mnkgj.k nr g, dgk fd ogk ?kkV e pyu d ckn okyekV u viu vk/k l vf/kd depkfj;k dh NVuh dj nhA

uo/kkU; l tMh onuk f'kok dk ekuuk Fkk fd ljdkj nkgjk ekinM viuk jgh gA ,d rjQ rk jgMh okyk] ndkunkjk d ekey e dkuuh /kkjk; yxk;h tkrh g vkj lhfyx 'k: gk tkrh g] yfdu ,lbtM¼fo'k"k vkfFkd {k=½ d f[kykQ tufgr ;kfpdk nk;j dju ij uhfr vkj ;ktuk e n[kynkth u dju dh ckr dgh tkrh gA onuk f'kok u dgk fd bl n'k d rhl ifr'kr Hkntu viuh lLdfr dh igpku cgjk"Vh; difu;k d tfj; dj jg gA mUgku ,dtVrk vkj vknkyu dh vko';drk d ckj e dgk fd ;g blhfy, t:jh g D;kfd ljdkj dN fnuk e ch t dkuu vkj vkgkj d fy, QM diu lcf/kr dkuu yku okyh gA okeiFkh urk vofu jk; u ,d l'ku d nkjku crk;k fd ljdkj l mudh ikVh dk df"k uhfr;k ij dkQh fojk/k g] yfdu tuoknh 0;oLFkk e l[;k e vf/kd oky nyk l vihy] fojk/k vkj lg;kx djuk etcjh gkrh gA

pkFk fnu okeiFkh urk lhrkjke ;pjh u dgk fd o'ohdj.k dk ydj okeiFkh ny fdlh Hkyko e ugh gA o bl lkekT;okn rFkk ithokn 0;oLFkk l tkMdj n[k jg g blhfy, ge bldk fojk/k dj jg gA ;pjh *lkekT;oknh o'ohdj.k ij okeiFkh #[k* fo"k; ij gku okyh xk"Bh e cky jg FkA mudk dguk Fkk fd vefjdk dk fojk/k ykfru vefjdk e fn[kk;h n jgk g vkj oYM lk'ky Qkje d xBu dk Hkh ;gh dkj.k gA bl fo"k; e lhih pn'k[kj u dgk fd vefjdk u o'ohdj.k d tfj; gh rdh vkj ;xkLykfo;k tl n'kk dk viu ckt kj e cnyk vkj vc og phu vkj Hkkjr dk cny jgk gA mnkgj.k nr g, mUgku dgk fd phu dk 60 ifr'kr mRikn vefjdh t:jr d erkfcd cu jgk g vkj Hkkjr dh 66 ifr'kr lok; vefjdk d fy, gA

bl ey e dgh ij ;od&;ofr;k ukVd d tfj; o'ohdj.k d f[kykQ ykxk dk le>ku dk i;kl dj jg Fk rk dgh ij lkefgd ykd&uR; d tfj; ykxk dk vkdf"kr fd;k tk jgk FkkA lcl vf/kd ykx rk [ky vkdk'k d chp cM LVt d uhp dfl;k ij CkBdj fofHkUu idkj d lxhr dk vkun mBkr fn[kA vÝhdk l Hkh ,d lkLdfrd ny viuh iLrfr nu vk;k FkkA bl ey e dN fQYe Hkh fn[kk;h x;hA

lEeyu e vf/kdk'k ifrfuf/k tgk ,l dk;Øe d vk;ktu dk gh cMh miyfC/k eku jg Fk] ogh dN ykx bl vk;ktu LFky ij vko';d eyHkr lfo/kk; miyC/k ugh jgu l ij'kku Hkh FkA

dkk lLFkk l tM fetkje d yky FkuQkyk bl lk'ky ey d ckj e dgr g fd lp dg rk ;g vk;ktu viu mEehn ij [kjk ugh mrjkA dk;Øe lkekU; J.kh d gh FkA ge bll cgr vf/kd mEehn Fkh] yfdu vkt bldh lekflr d ckn yxrk g fd dgh u dgh deh jg x;hA ,l dk;Øek e vkj vf/kd cgl dh vko';drk gkrh gA o dgr g fd ble cgr vf/kd il [kp gkr g vxj ml fygkt l Hkh n[k rk ;g viu Lrj

ij [kjk ugh mrjkA ej fopkj l dN Bkl dk;Øe dh ;ktuk gkuh pkfg, FkhA ey dh pdkpk/k vkj rke>ke dk n[kdj NÙkh lx< d ,d lkekftd dk;drk u dgk fd ;g eyk lkekftd lxBuk dk 0;kikj eyk gA

lk'ky ,D'ku fjlp lVj] okjk.klh l lEeyu e 'kkfey g, ie idk'k dgr g fd bfM;u lk'ky Qkje d vk;ktu l ;g ckr rk le> e vkrh g fd fdlh Hkh LFkkuh; enn dk jk"Vh; vkj vrjk"Vh; Lrj ij mBk;k tk ldrk gA o bldk fiNy vk;ktu l vPNk crkr g, dgr g fd ;gk db pht lh[ku dk feyh lkFk gh n'k d fofHkUu Hkkxk l vk; lkekftd dk;drkvk l Hkh feyu dk ekdk feykA

u'kuy diu vku nfyr g;eu jkbVl itkc d dk&vkfMuVj cyor vktkn dk dguk g fd jk"Vh; Lrj ij bl rjg d vk;ktu dh 'k#vkr gh viu vki e cgr ek;u j[krh gA 'k: e cgr lkjh [kkfe;k Hkh jgrh gA o bl ckr l Hkh ukjkt fn[k fd ehfM;k bru cM vk;ktu dk utjvnkt dj jgk g] tcfd bruk cMk dkb nljk dk;Øe jgrk rk mldk ykbo ilkj.k fd;k tkrk vkj fiV ehfM;k Hkh db ifjf'k"V fudky nrkA dukVd l vk; ,d dk;drk rk dkQh n[kh utj vk; bl ckr l fd vk;ktu LFky ij 'kkpky; dh 0;oLFkk Bhd ugh FkhA

,lk yxrk g tl bl lk'ky Qkje e cgl vkj ennk d Åij [kku&iku vkj lkLdfrd dk;Øe gkoh jgA bl ey e fdlh Hkh j.kuhfr ij leku :lk l vke lgefr ugh cu ik;hA gkykfd ,lk dgk tk jgk g fd ;g vk;ktu fiNy vk;ktu l vf/kd lQy jgkA

xkl:V Qhpl l lkHkkj

;gk efgykvk dk dke ugh fn;k tkrk

Jhyrk euu

HKy tkb; jk"Vh; xkeh.k jktxkj xkjVh dk;Øe d vrxr dke dju okyh txgk ij f'k'kxgk d okn dkA gky e fd; x; nkjk e gfj;k.kk] mÙkj in'k ;k jktLFkku e dgh Hkh bud n'ku ugh g,A lp rk ;g g fd mÙkj in'k vkj gfj;k.kk d db fgLlk e efgykvk l vxj dke d vf/kdkj dh ckr djrh g rk ukd&Hkk fldMu yxrh gA vxj dHkh ljip }kjk tkjh etnjh dkM¼tkc dkM½ e mudk uke vk Hkh tkrk g rk ,lh efgyk; ;k rk 40 lky dh vf/kd dh gkrh g ;k fQj o fo/kok; gkrh gA

Lkhrkij fty d uikyij xko e ikuh l Hkjk ,d cMk lk rkykc gA ;g jk"Vh; xkeh.k jktxkj xkjVh dk;Øe d vrxr xko okyk dh egur dk urhtk gA bl rkykc e ftu lkr ;k vkB efgykvk u dke fd;k Fkk] mUg nkckjk dke ugh feykA i/kku dk dguk g fd o ml dke d yk;d gh ugh Fkh] ftldh otg l mUg fQj l dke ugh fn;k x;kA

dkuu dgrk g fd etnj dke dh ekx dj ldrk g vkj vxj 15 fnuk e ml dke ugh feyrk] rk og HkÙk dh ekx dj ldrk gA yfdu ;gk dh efgyk; dgrh g fd mudk etnjh dkM mul y fy;k x;k FkkA xko dh lhek vkj txjkuh dgrh g] *tc dkM ipk;r lfpo d ikl g rk ge fdl idkj l dke ;k HkÙk dh ekx dj ldr gA* ipk;r lfpo lHkk"k ckc xlrk bl ckr l bdkj djr g vkj bldk nk"k lijokbtj nokun d flj e< nr gA

yfdu nokun Hkh bl ckr l bdkj djr gA Åij l ydj uhp rd efgykvk d ifr iokxg lkQ >yd jgk Fkk vkj bld ihN ,d Mj Fkk fd de dke gku l ipk;r lfpok vkj nlj inkf/kdkfj;k d oru l ilk dkV fy;k tk;xkA ljip oh.kk vk; d ifr idt vk; dk dguk g] *efgyk; dke ugh djrh vkj [kkyh cBu d il ugh fn; tk ldrA* Cykd fodkl vf/kdkjh u Hkh dgk g fd dke ugh rk ilk ughA ge efgykvk dk grkRlkfgr dju d fy, dgk x;k gA

Cykd ipk;r vf/kdkjh dUg;k yky 'kDy dgr g] *vxj ge dke ugh djok ikr g rk nh x;h vf/kd

etnjh gekj oru l dkV yh tkrh gA dkuu e de dke d fy, de oru nu dh ckr ugh dh x;h gA*

Lkhrkij fty e dy feykdj ,d yk[k fngkfM;k dh ekx dh x;h Fkh] yfdu fjdkM d vulkj 30 gtkj fngkfM;k dk gh dke fn;k x;k gA bue l Hkh 1900 fngkfM;k ij gh efgykvk dk dke ij yxk;k x;k gA lhrkij dh lYrku ek: xke ipk;r e etnjh dkM e efgykvk d u gku d ckj e lQkb nh x;h gA ljip teuk noh dk cVk dgrk g] *i#"k viuh ifRu;k d etnjh dkM cuokuk iln ugh djrA fQj efgyk; [krk e Hkh dke ugh djrhA*

Ykfdu vf/kdrj xkok e ljip gh Qlyk djr g fd fdldk etnjh dkM cuk;k tk;] fdldk ughA xko okyk l cl mud QkVk gh ekx x; FkA

Ekfgykvk d ifr iokxg dh otg l gh gfj;k.kk d db fgLlk e efgykvk dh Hkkxhnkjh de gA vyhij xko d ljip n'kiky u dgk] efgyk; fnu e fIQ nk ?kV dke djrh g vkj ijh fngkMh dh mEehn djrh gA o cPpk ler viu ij ifjokj dk dke ij y vkrh g vkj pkgrh g fd bu lHkh d fy, etnjh nh tk;A

fctul LVMM] xkl:V l lkHkkj

mÙkj jyo e igyh efgyk Mk;oj

>Kj[kM dh ,d uktoku vkfnoklh efgyk y{eh ydMk u ,d ,lk liuk ijk fd;k g ftl vDlj gj NkVk cPpk n[kk djrk gA og mÙkj jYko e igyh efgyk Mk;oj cu x;h gA

jkph l byDVkfuDl e fMIykek ikIr vkj mÙkj jyo dh igyh efgyk btu pkyd 27 lky dh y{eh] ecb dh lj[kk ;kno d uD'k dne ij py fudyh g] ftl ,f'k;k dh igyh efgyk Vu Mk;oj gku dk lkHkkX; ikIr gvk gA y{eh dgrh g] *e> fo'okl g fd vku oky fnuk e db efgyk; bl viuk dfj;j cuk;xhA*

dkb pukrh Hkjk dke dju dh mex e y{eh u fiNy lky jyo Hkrh ckM ijh{kk nu dk Qlyk fd;k vkj mle og ikl Hkh gk x;hA 372 if'k{kkfFk;k d leg e ogh ,dek= efgyk FkhA uk efgu dk if'k{k.k ijk dju d ckn mlu mÙkj jyo e btu Mk;oj dk in lHkkykA

jyo e i#"kk vkj efgykvk dk leku volj feyrk gA efgyk vkj i#"k nkuk gh Hkrh ijh{kkvk e cB ldr gA

mÙkj jyo d fMoh tuy jy ic/kd inhi dekj dgr g] *y{eh u ijh{kk ikl dj yh vkj mldk p;u gk x;kA dkb Hkh efgyk tk ,lk djuk pkgrh g ijh{kk ikl dju vkj if'k{k.k ijk d ckn jyo e Hkrh gk ldrh gA*

dekj dgr g fd vxj y{eh dh lQyrk l ifjr gkdj vkj efgyk; jyo e vkuk pkgrh g rk mudk Lokxr gA

y{eh dgrh g fd mldh lQyrk dk J; mld ekrk&firk dk tkrk g] tk pkgr Fk fd og dN vyx gVdj dke djA e> pukfr;k l l;kj g vkj e dN vyx djuk pkgrh FkhA ej ekrk&firk u ejk gklyk c<k;kA og vkRefo'okl l Hkjh g vkj vc og *>kj[kM dh vkfnoklh yMdh ugh gA*

y{eh dgrh g fd *if'k{k.k bruk Hkh ef'dy ugh g fd ml i#"kk dk gh dke ekuk tk;A efgyk; Hkh bl vklkuh l lh[k ldrh gA*

fQygky og fnYyh lfdy e gYd btuk vkj ekyxkfM;k dk pyk jgh gA yfdu mldk liuk 'krkCnh ,Dlil pyku dk gA
y{eh dk ;g dkjukek tky/kj dh 34 o"kh; eku/khj jktir d ml mnkgj.k d ckn g ftle eku/khj dk vkLVfy;k dh U; lkmFk oYl dkikj'ku e igyh Hkkjrh; efgyk btu Mk;oj cuu dk lkHkkX; ikIr gvkA

efgyk&i#"k c/kuk l vktkn gkdj nfu;k Hkj e efgyk; lQyrkiod Vuk dk pyk jgh g vkj bl ckj e nlj fo'o ;) ftru ijku fjdkM ektn g] tc efgykvk u edfudk] bthfu;jk vkj Vu Mk;ojk d :Ik e dke fd;k FkkA

,f'k;u ,t]xkl:V l lkHkkj

tMj uVod % rhljk pj.k

bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV d l;ktu vkj bVju'kuy MoyieV fjlp lVj] dukMk d vkfFkd lg;kx l py jgk jhtuy tMj uVod iktDV fnlcj 2006 e lekIr gk x;k gA bl ;ktuk d vrxr vHkh rd ikoVh ,M tMj(vkb-lh-Vh-,M tMj(tMj Vfux ,M tMj ekMfyx(xkFk]bU,fDofyVh ,M tMj fo"k;k ij v/;;u g, gA bl uVod e lkmFk ,M lkmFk&bLV ,f'k;k d cgr l n'k % ikfdLrku] Jh&ydk] ckXykn'k] fo;ruke vkj 'kk/kdrk 'kkfey FkA v/;;u d lekiu ij *,fuxek vkQ djy oheu % fn QhYM ikekbt vkQ fyVlh* uked iLrd idkf'kr dh tk jgh gA bldk liknu ikQlj Loluk e[kkik/;k; u fd;k gA

bl iLrd e lkekftd foKku d {k= e v/;;ujr 'kk/kdrkvk }kjk djy e tMj lc/kk d fofHkUUk i{kk ij fd; x; v/;;uk dk iLrr fd;k x;k gA bl iLrd dk igyk v/;k; 0;fDrxr Lrj ij fd; x; v?;;uk dk ifjp; nrk gA iLrd d 'k"k v/;k;k e djy dh efgykvk dh leL;kvk dk l;Dr :Ik l [kktu dk i;kl fd;k x;k gA tMj uVod d rhlj pj.k dh fofHkUu fjikV vkj iil tYnh gh vkb,l,lVh ocIkbV ij Hkh miyC/k gkxhA

jktxkj] xjhch % phu vkj Hkkjr e ryukRed v/;;u

bl v/;;u dk e[; mí'; Hkkjr vkj phu d v/;rk vkj 'kk/kdrkvk dh jktxkj] xjhch tl fo"k;k e mudh le> fodflr djuk gA bl mí'; dk iku d fy, Hkkjr e phuh v/;rkvk vkj 'kk/kdrkvk dk ,d LVMh Vj vk;kftr fd;k tk;xk vkj blh Øe e gkoM e od'kki vk;kftr dh tk;xhA

3 l 11 Qjojh 2007 rd vk;kftr bl LVMh Vj e vkb,l,lVh phu vkj Hkkjr d lnHk e vukipkfjd jktxkj dk dn e j[kr g, fofHkUu xkf"B;k dk vk;ktu djxhA bu xkf"B;k e v/;rkvk vkj 'kk/kdrkvk d chp lcf/kr fo"k;k ij fopkjk dk vknku&inku gkxkA bl nkjku phu l vk; bu ifrfuf/k;k dk QhYM foftV d fy, jokMh¼gfj;k.kk½ e *lfØ;* vkj vgenkckn e *lok* dk dke Hkh fn[kk;k tk;xkA rkfd mUg 'kgjh vkj xkeh.k Hkkjr dh >yd fey ldA

tMj vkj vkblhVh % lfeukj

vkb-,l-,l-Vh- dh cxykj 'kk[kk u 14 fnlcj 2006 dk tMj vkj vkblhVh ij ,d lEeyu dk vk;ktu fd;kA bl lEeyu dk e[; mí'; Fkk & vkb-,l-,l-Vh }kjk bl {k= e fd; x; dke dk ipkj&ilkjA bl lEeyu d e[; vfrfFk Fk& dukVd ljdkj d] vkbVh ,M lkbl ,M VDukykth foHkkx d Jh ,e-,u- fo|k'kdjA bl volj ij vkbVh Qkj pt dh ,DthD;fVo Mk;jDVj vfurk x:efr u e[; Hkk"k.k fn;kA

bl ,d fnolh; lEeyu e bl fo"k; ij fofHkUu ijp i< x;A lEeyu dk lEkkiu bl {k= e tMj enn ij iuy ppk l gvkA mn?kkVu l= dh v/;{krk vkb-,l-,l-Vh- dh lLFkkfidk vkj io funf'kdk nodh tu u dhA bld ckn d l=k dh v/;{krk Øe'k% ve tkIQ] i=dkj vkj ehfM;k fo'y"kd(jRuk ln'ku] fun'kd vkb-,l-,l-Vh-(

MkDVj ehjk fiYy] vkb-,l-,l-Vh lykgdkj vkj vkb- vkb- ,e- ch- dh ikQlj clrh Jhfuoklu u dhA

dkykj fty dh cMhdkV 'kgj dh uEek /okuh lenk; e py jg jfM;k ikt DV dh LVfM;k eutj fot;k u viuh iLrfr e xko dh efgykvk dk LFkkuh; ennk ij jfM;k dk;Øe cuku d fy, r;kj dju dh tkudkjh nhA vk'kk t;jeu dh iLrfr Vyud ij FkhA vkb Vh Qkj pt dh enyk Lokeh u viuh iLrfr e thou vkj vkblhVh d ckj e foLrkj l crk;kA efgyk lek[;k vkj vkb Vh Qkj pt d ifrfuf/k;k u l;Dr :Ik l iLrfr dhA mudh ;g iLrfr bl {k= e mi;Dr rduhd l xkeh.k Lrj ij tkx:drk yku d i;kl ij FkhA bLVhV;V vkQ lk'ky LVMht VLV d MkDVj jkftc unh vkj xl QukMhl dh iLrfr bl fn'kk e fd; x; dke ij vk/kkfjr FkhA nkigj d l= e lifl) i=dkj ve tklQ vkj vkyVjufVo yk Qkje l uferk eygk=k dh iLrfr Fkh % ehfM;k vkj lljf'ki ijA bl l= d ckn gb iuy ppk e bl {k= e dke dj jg LofPNd lxBuk d vykok dkikjV nfu;k dh ikQlj olrh Jhfuoklu ¼vkbvkb,ech½] Jh ger 'kek ¼lu ekbØkfLlVe½] fueyk euu ¼bVjoho½] xjkyMkbu QukMht vkj iFohftr jkepnu ¼dE;uhd'kl Vuj½ u fgLlk fy;kA

ej n'k e ,p-vkb-oh-@,Ml

Vkb-,l-,l-Vh-]cxykj }kjk vrjk"Vh; Nk=k d lkFk vk;kftr lEeyu dh dMh e vk;kftr nlj lEeyu dk fo"k; Fkk % *ej n'k e ,p-vkb-oh-@,Ml % pukrh vkj ifrfØ;kA* bl lEeyu dk vk;ktu 20 fnlcj 2006 dk fd;k x;kA

Nk=k }kjk l>k; x; fofHkUu fo"k;k e l gh lEeyu d fy, bl fo"k; dk puk x;kA bl lEeyu e lkr fon'kh Nk=k u iLrfr dhA ; g & tkon ukMj ¼vQxkfuLrku½] C;kegxh d ikVu ¼;xkMk½] bYdj dkdu ¼Vdh½] Vkfjdk u;xk ¼fQth½] futyk ukbtj ¼Jh&ydk½] gkbFke vyh lyg ¼cgjhu½ vkj guh ekgEEkn dkfle ¼lMku½A bu iLrfr;k e gjd n'k dh jktufrd vkj lkLdfrd fofHkUurk d vulkj ,p-vkb-oh- vkj ,Ml dh 0;kidrk vkj ifrfØ;k dh foLrr tkudkjh mHkjdj lkeu vk;hA gekj n'k l bl fo"k; dh fo'k"kK vkj dukVd uVod vkQ ikftfVo dh lLFkkfidk vk'kk je;k u iLrfr dhA mudh ;g iLrfr ,p-vkb-oh-@,Ml d lkFk jg jg ykxk d fofHkUu ennk vkj ikftfVo ykxk d fy, mud }kjk fd; tk jg dke ij FkhA

bl lEeyu dh vkf[kjh iLrfr Fkh & QkmM'ku Qkj ,Ml fjlp dh v/;rk lkfu;k dMkfFky dhA budh iLrfr dk fo"k; Fkk& *,p-vkb-oh-@,Ml % ub lj{kk rduhdA* bl ijp dh iklfxdrk vkj 0;kidrk dh cgr i'klk dh x;hA loky&tokc d ckn bl lEeyu dk lekiu gvkA

tMj ikfylh Qkje

10 uocj 2006 dk vkb-,l-,l-Vh vkj bfM;k gfcVV lVj }kjk vk;kftr tMj ikfylh Qkje dh vkBoh oDrk Fkh &bLVhV;V vkQ MoyieV LVMht] llDl dh ikQlj uyk dchjA oreku e ; bVju'kuy MoyieV fjlp lVj] ub fnYyh e foftfVx v/;rk dh rjg dk;jr gA ikQlj dchj dk fo"k; Fkk *uk eftd cyV % ekbØk Qk;ukl] ikoVh fjMD'ku ,M ohel ,eikojeV bu lkmFk ,f'k;k*A bl ppk dk vkx c<ku e ie[k Hkfedk fuHkk;h fnYyh Ldy vkQ bdkukfeDl dh jhMj MkDVj jkfg.kh lkeukFku uA